बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है

विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की।

सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 119 | शनिवार 19 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

आतंकवादी साजिश मामले में आठ स्थानों पर छापेमारी

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को आतंकी साजिश मामले में आठ स्थानों पर छापेमारी शुरू की है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आरसी 5/2022/एनआईए/जेएमयू मामले में आठ स्थानों पर तलाशी चल रही है। ये मामले भौतिक और साइबरस्पेस दोनों में साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर में बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ हिंसक आतंकवादी हमले करने की योजना से संबंधित है। उन्होंने बताया कि ये मामले आतंकवादी संगठनों द्वारा स्थानीय युवाओं और भूमिगत कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर में शांति एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए आतंक और हिंसा के कृत्यों को अंजाम देने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत होंगे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम

उदयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 21 अगस्त से 19 सितंबर तक जिले में मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023-द्वितीय का आयोजन किया जाएगा।

स्वीप प्रकोष्ठ की प्रभारी अधिकारी और जिला परिषद सीईओ सलोनी खेमका ने बताया कि इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रारंभ तिथि 21 अगस्त को जिले में प्रातः 8 बजे गांधी ग्राउंड में इमेज फॉरमेशन उपरांत वाहन रैली वाकाथन-ट्राई साइकिल रैली प्रातः 8.30 बजे से प्रारंभ होकर नगर निगम प्रांगण तक आयोजित होगी।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कार्मिकों सहित राजकीय विद्यालय, महाविद्यालय, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड आदि भाग लेंगे। रैली के लिए श्रीमती सुनीता भंडारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ में क्या है भाजपा का 'विजय प्लान'; कैसे भूपेश बघेल की बढ़ा दी है टेंशन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में दुर्ग जिले का पाटन काफी हाईप्रोफाइल सीट हो गया है। यह सीट मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विधानसभा सीट है। यह तो तय था कि भाजपा के रणनीतिकार अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ और खासकर पाटन में कोई बड़ी चाल चलेंगे। भाजपा ने पाटन में आंतरिक सर्वे कराया था जिसमें ओबीसी या आरएसएस से जुड़ा चेहरा उतारने की बात कही गई थी। सीएम भूपेश बघेल को घेरने को कोई बड़ा चेहरा नहीं दिख रहा था। पाटन में मजबूत पकड़ रखने वालों में विजय बघेल का नाम ही सबसे ऊपर था। लिहाजा भाजपा ने छत्तीसगढ़ियावाद के बलबूते आगे बढ़ रहे भूपेश को रोकने उनके भतीजे को मैदान में खड़ कर दिया। मजबूत उम्मीदवार देकर भाजपा की कोशिश है कि भूपेश बघेल को पाटन पर अधिक फोकस करने पर मजबूर किया जाए और वह प्रदेशभर में कम घूम सकें। बता दें कि पाटन से भूपेश बघेल के अजय योद्धा वाली रफ्तार पर 2008 में भाजपा के रथ पर सवार विजय बघेल ने ही ब्रेक लगाया था। छत्तीसगढ़ की राजनीति में ताकतवर चेहरा बनकर उभरे भूपेश बघेल को भारतीय जनता पार्टी द्वारा पाटन विधानसभा में घेरने की बड़ी रणनीति बनाई गई है। भाजपा की इसी रणनीति का हिस्सा है विजय बघेल को पाटन से भाजपा का प्रत्याशी बनाया जाना। दरअसल, विजय बघेल सालभर पहले से ही यह बात सार्वजनिक तौर

पर कह रहे थे कि मौका मिला तो वे पाटन से ही चुनाव लड़ेंगे। और अब भाजपा ने उन्हें मौका दे भी दिया है। भाजपा की सूची जारी होने के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता रणनीति बनाने में भी जुट गए हैं। कई राजनीतिक उठापटक भी देखने को मिलेंगे।

चाचा-भतीजा क्यों बने चीर प्रतिद्वंद्वी

पहले चाचा (भूपेश बघेल) और भतीजा (विजय बघेल) दोनों कांग्रेस में साथ-साथ थे। सन 2000 में नए नवेले भिलाई चरोदा निगम में कांग्रेस से टिकट को लेकर बगावत हो गई। चाचा ने अपने चाचा (स्व. दाऊ श्री श्यामाचरण बघेल) को टिकट दे दिया। विरोध में विजय बघेल ने कांग्रेस छोड़ निर्दलीय ताल ठोक दिया। कांग्रेस-भाजपा के नेताओं को टक्कर देकर बड़े अंतर से जीत भी गए। पांच साल तक भिलाई-चरोदा नगर पालिका के अध्यक्ष रहे। यह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का गृह क्षेत्र है और नगर पालिका अब नगर निगम बन चुका है।

चौथी बार आमने-सामने होंगे भूपेश-विजय

मुख्यमंत्री बनने के बाद भूपेश बघेल ने पाटन का विकास किया है। यह कांग्रेस का बड़ा हथियार है। लोग मानते हैं कि साढ़े चार साल में पाटन की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। 23 साल की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विजय बघेल के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की थी, लेकिन जब से भाजपा ने विजय बघेल को चुनाव घोषणा पत्र समिति का संयोजक बनाकर प्रदेश भाजपा का बड़ा चेहरा बनाया है तब से मुख्यमंत्री भी अब बोलने लगे हैं। पाटन विधानसभा सीट पर भूपेश बघेल और विजय बघेल तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं। चह चौथी बार चुनाव लड़ेंगे।

भूपेश बघेल के छत्तीसगढ़ियावाद का तोड़

भाजपा विजय बघेल के भरोसे मुख्यमंत्री को पाटन में ही घेर देने का पूरा प्रयास करेगी। वहीं भाजपा के आम कार्यकर्ता पाटन के मतदाताओं को यह संदेश देंगे कि यदि मुख्यमंत्री को विजय बघेल ने हरा दिया तो वे ही छत्तीसगढ़ के अगले मुख्यमंत्री भी बन सकते हैं। भाजपा को इससे दोहरा लाभ होगा। भाजपा राष्ट्रवाद के रथ पर सवार रहेगी और छत्तीसगढ़ियावाद के बूते छत्तीसगढ़ के जनमन में गहरे तक उतर चुके भूपेश बघेल कड़ी टक्कर देने का प्रयास करेगी।

हारे तो सीएम से हारे, जीते तो सोने पर सुहागा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज पूरे भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। पाटन की सीट पर विजय बघेल को उतारने का कितना राजनीतिक असर होगा यह तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन सांसद विजय बघेल छत्तीसगढ़ भाजपा में एक बड़ा चेहरा जरूर बन गए हैं। पहले लोकसभा का टिकट, जिसमें रिकॉर्ड 3 लाख से ज्यादा मतों से ऐतिहासिक जीत, फिर छत्तीसगढ़ भाजपा के चुनाव समिति के संयोजक बने। राष्ट्रीय नेतृत्व भी कहीं न कहीं विजय बघेल को लेकर छत्तीसगढ़ में कुछ संभावना टटोल रहा है। भाजपा ने रणनीति के तहत विजय बघेल को पाटन से टिकट दिया, ताकि सीएम को उसके क्षेत्र में घेरा जा सके। अगर हारे तो कोई बात नहीं, क्योंकि छत्तीसगढ़ के सीएम से हारे, जीते तो सोने पर सुहागा।

500 साल पहले मरे सूफी संत का कर दिया हिंदू नामकरण

भड़के मुस्लिम भूख हड़ताल पर बैठे

अहमदाबाद। हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल रही पीर इमामशाह बाबा की दरगाह अब धार्मिक विवादों में घिरती नजर आ रही है। मामला गुजरात के अहमदाबाद का है, यहां सूफी संत का नाम बदले जाने के खिलाफ मुस्लिम समुदाय के कई सदस्य अनिश्चितकाल के लिए भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। इससे पहले दरगाह परिसर में मंदिर बनाए जाने को लेकर भी विरोध हो चुका है।

क्या है मामला

करीब 500 साल पहले पीर इमामशाह बाबा की मौत हो चुकी है। अहमदाबाद के बाहरी इलाके पिराना गांव में उनकी दरगाह थी, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों को आना जाना था। इसे धार्मिक सद्भावन की मिसाल भी कहा जाता था। अब बाबा के हिंदू अनुयायियों ने सूफी संत का नाम बदलकर सद्गुरु हंसतेजजी महाराज करने का फैसला किया है। इमामशाह बाबा रोजा संस्थान के ट्रस्टीज की तरफ से जिला कलेक्टर को भूख हड़ताल के बारे में भी सूचित कर दिया गया है। साथ ही अधिकारियों से इस मामले में दखल की मांग भी की है। इसके अलावा मुस्लिम समुदाय ने दरगाह परिसर में भूख हड़ताल पर बैठने वाले करीब 25 लोगों की सुरक्षा की भी मांग की है।

लगाए आरोप

पीर के वंशजों ने इस नामकरण पर विरोध जताया है। उनका कहना है कि दरगाह के भगवाकरण का यह एक और प्रयास है। पीर के वंशज स्थानीय सैयद समुदाय से

जुड़े हैं। साथ ही ट्रस्टीज ने हजरत पीर इमामशाह बाबा की दरगाह को हिंदू धार्मिक स्थल के तौर पर बदलने पर भी आपत्ति जताई है। इस संबंध में गुजरात के राज्यपाल समेत कई बड़े अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया है।

हिमाचल में 55 दिन में 113 लैंडस्लाइड, 330 की मौत, चौड़ी सड़कों ने पहाड़ों की नींव हिलाई

शिमला। पहाड़ों में बढ़ता कंस्ट्रक्शन और घटता वन क्षेत्र हिमालय की उम्र घटा रहा है। इसके पहाड़ दरक रहे हैं। हिमाचल इसका उदाहरण है। यहां दो साल में भूस्खलन की घटनाएं 6 गुना बढ़ गई हैं। इस मानसून के 55 दिन में 113 बार भूस्खलन हुआ है। बारिश और लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 330 लोगों की मौत हो चुकी है। भूवैज्ञानिक विशेषज्ञ प्रो. वीरेंद्र सिंह धर के मुताबिक, चौड़ी सड़कों के लिए हिमाचल के पहाड़ों को सीधा काटा जा रहा है। इससे पहाड़ों की तलहटी की चट्टानें भी काटी जा रही हैं, जिससे जल निकासी की व्यवस्था खत्म हो गई है। इससे हिमाचल में ढलान वाले क्षेत्र लैंडस्लाइड के लिए संवेदनशील हो गए हैं। टनल में धमाके और हाइड्रो प्रोजेक्ट से भी लैंडस्लाइड की घटनाएं बढ़ रही हैं।

उधर, उत्तरप्रदेश के 14 जिलों पर सूखे का खतरा मंडरा रहा है। इनमें बुंदेलखंड के 7, पूर्वी उप्र के 6 और तराई का एक जिला शामिल है। राज्य के 75 में से आधे जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है।

हिमाचल में 17,120 लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्र

हिमाचल में लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्र बढ़कर 17,120 हो गए हैं। इनमें भी 675 के किनारे इंसानी बस्तियां हैं। शिमला में कई सरकारी भवन भूस्खलन के खतरे की जद में हैं।

हिमाचल में 68 सुरंगें बन रही हैं। इनमें 11 बन चुकी हैं, 27 निर्माणाधीन हैं और 30 विस्तृत परियोजना की रिपोर्ट तैयार हो रही हैं। इनमें कई प्रोजेक्ट केंद्र के हैं। इससे राज्य में भूस्खलन के जोखिम वाले क्षेत्र बढ़ेंगे।

हिमाचल के पहाड़ों को नुकसान पहुंचने की वजहें

अवैज्ञानिक निर्माण- पहाड़ों को सीधा काटा, इसमें चट्टानों की नींव भी कट गई।

पानी रुक गया- ढलान खत्म होने से पानी बह नहीं रहा, सीधे पहाड़ों में बैठ रहा।

बहाव पर अतिक्रमण- पानी के बहाव पर बस्तियां बस गईं, निकासी का रास्ता बंद हो गया।

मोदी की आधा दर्जन रैलियां, शाह पेश करेंगे रिपोर्ट कार्ड

शिवराज के लिए सजी फील्डिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले पार्टी की मध्य प्रदेश इकाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य में पांच से छह रैलियां आयोजित करना चाहती है। राज्य के नेताओं ने मोदी से दो महीने में क्षेत्रवार रैलियों को संबोधित करने का अनुरोध किया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि बुधवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के दौरान राज्य नेतृत्व ने यह मामला उठाया। इसके बाद पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने आश्वासन दिया कि वह आने वाले हफ्ते में इस संबंध में निर्णय लेगा। 20 अगस्त को, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य में भाजपा सरकार के 20 साल पर गरीब कल्याण रिपोर्ट कार्ड जारी करेंगे, 15 महीने की अवधि को छोड़कर जब कांग्रेस सत्ता में थी। एमपी बीजेपी प्रमुख वीडी शर्मा ने कहा, रिपोर्ट जारी करने के बाद, वह गरीब कल्याण (गरीबों का कल्याण) विषय के साथ अभियान रथ को भी हरी झंडी दिखाएंगे। रथ केंद्र और राज्य सरकारों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सभी विधानसभा क्षेत्रों की यात्रा करेगा। लॉन्च के बाद, शाह और सीएम शिवराज सिंह चौहान भाजपा राज्य कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक में हिस्सा लेने के

लिए ग्वालियर जाएंगे। बैठक में राज्य से केंद्रीय मंत्रियों के अलावा विधायकों, जिला अध्यक्षों और करीब 1200 पार्टी पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। बता दें कि 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस बार पार्टी यहां ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीत का परचम लहराना चाहती है।

इंदौर में कुत्ते पर घूनी संग्राम में 2 की मौत और 7 जख्मी

पत्थर मारने पर गोलियों से भून डाला

इंदौर। इंदौर के खजराना थाना इलाके के कृष्ण बाग में रहने वाले पड़ोसियों के बीच गुरुवार देर रात कुत्ते घुमाने को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक ने गोली चला दी। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। जबकि महिला सहित छह लोग घायल हो गए हैं। आरोपी ने पहले हवा में गोली चलाई थी। सूचना के बाद पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लाइसेंस बंदूक जब्त कर ली गई है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक घटना गुरुवार रात 10:30 बजे करीब की है। जब खजराना थाना क्षेत्र के रामकृष्ण कॉलोनी में रहने वाले

बैंक सिक्योरिटी गार्ड राजपाल सिंह राजावत अपने पालतू कुत्ते को घुमा रहा था। तभी इलाके में रहने वाले विमल ने कुत्ते को पत्थर मार दिया। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसी दौरान राहुल भी वहां पहुंच गया। राजपाल ने विमल और राहुल को डराने के लिए घर से बंदूक निकाली और हवाई फायरिंग की। कुछ देर बाद आरोपी ने विमल और राहुल पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। राहुल और विमल के परिवार वाले बड़ी संख्या में घर से बाहर निकले। जिसमें ज्योति, ललित, कमल और मोहित सहित सीमा को भी गोली के छर्रे लगे। ये सभी घायल हो गए हैं। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि 12 बोर की बंदूक से गोली चली थी। ज्योति और अन्य लोगों की आंखों और चेहरे पर गोली लगी है। पुलिस के अनुसार मृतक राहुल और विमल रिश्ते में जीजा साले हैं। विमल का निपानिया में सैलून है। 8 साल पहले उसकी शादी राहुल की बहन आरती से हुई थी। उनकी दो बेटियां भी हैं। राहुल लसूडिया क्षेत्र में किसी ऑफिस में काम करता है। घटना के बाद पुलिस द्वारा आरोपी राजपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी बैंक ऑफ बड़ौदा में सिक्योरिटी गार्ड है।

शिवसेना विधायकों ने एकनाथ शिंदे को 'ब्लैकमेल' कर ले लिए मंत्री पद, करीबी ने किया खुलासा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अब तक नाराज विधायकों को शांत करते नजर आ रहे हैं। अब हाल ही में उनके करीबी विधायक भरत गोगावले ने दावा किया है कि कुछ विधायकों ने मंत्री पद पाने के लिए शिंदे को ब्लैकमेल किया था। साथ ही उन्होंने खुद को मंत्री पद का उम्मीदवार बताया। खबर है कि सीएम शिंदे ने हाल ही में सरकार में उनके मंत्रियों, शीर्ष नेताओं और अधिकारियों को डिनर पर बुलाया था।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गोगावले ने खुलासा किया है कि मंत्रालयों के आवंटन के दौरान उनका नाम भी सूची में शामिल था। उन्होंने दावा किया, %शिवसेना के एक विधायक ने सीएम से कहा कि अगर उसे मंत्री नहीं बनाया गया, तो उसकी पत्नी खुदकुशी कर लेगी। तो सीएम ने मुझे कहा कि उन्हें महिला की जान बचाना पड़ी। गोगावले ने कहा कि एक और शिवसेना विधायक ने शिंदे के सामने अपनी बात इसी तरह रखी थी। उन्होंने कहा था कि अगर मंत्रालय नहीं मिला, तो केंद्रीय मंत्री नारायण राणे उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म कर देंगे। गोगावले ने बताया, %इसके बाद यह विधायक मंत्री बने... मेरा नाम वेटिंग लिस्ट में आ गया। उन्होंने खुलुसा किया कि तीसरे विधायक ने शिंदे को डराया कि अगर उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया, तो वह विधायक पद से

इस्तीफा दे देंगे और सरकार से बाहर आ जाएंगे। गोगावले ने कहा, %सीएम के पास ब्लैकमेल करने वाले इन नाराज विधायकों को मंत्री पद देने के अलावा ज्यादा कोई रास्ते नहीं थे। उन्होंने कहा, जब अजित पवार और उनके विधायकों को मंत्रियों के तौर पर शामिल किया गया, तो तब भी मुझे कहा गया था कि मुझे अजित पवार के साथ शपथ लेनी है। मैंने इंतजार किया, लेकिन किसी ने भी मुझे शपथ लेने को नहीं कहा।% गोगावले के अनुसार, हर बार जब कैबिनेट विस्तार की बात आती है, तो हमारी उम्मीदें बढ़ जाती हैं, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता।

आस्था, प्रेम व सौंदर्य का त्यौहार है तीज

निमिषा सिंह

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण शृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है।

श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्धारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्धारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण शृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

संपादकीय

स्थिति जस की तस

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध को दूर करने के लिए वरिष्ठ सैन्य कमांड़रों की एक अहम बैठक हुई। सोमवार को 19वें दौर की दो दिनी बातचीत के बाद जारी संयुक्त बयान में वार्ता को काफी सकारात्मक बताया गया। वर्ष 2020 में 15-16 जून की रात में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान घाटी में एलएसी पर हिंसक झड़पें हुई थीं। इसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और सैनिक स्तर पर दर्जनों बार बातचीत हो चुकी है। लेकिन डेमचक और डेपसांग में, जो संघर्ष और तनातनी के क्षेत्र हैं, वहां अब भी तनाव बना हुआ है। ताजा बातचीत में भी इसका कोई नतीजा नहीं निकला है। यहां गश्त को लेकर दोनों पक्ष अड़े.हुए हैं। दो वर्ष पहले भारत और चीन के रक्षा मंत्रालयों के बीच सहमति बनी थी कि जिन जगहों पर संघर्ष की स्थिति है, वहां डिस्इंगेजमेंट और डिएस्केलेशन किया जाएगा। यानी दोनों देश एलएसी से सेनाओं और टैंक एवं हल्के हथियारों को काफी दूर रखेंगे। डेमचक और डेपसांग में दोनों देशों के सैनिक तैनात हैं। इसीलिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर बार-बार कहते हैं कि सीमा पर हालात ठीक नहीं हैं। यह स्थिति द्विपक्षीय संबंधों को गहराई से प्रभावित करती रहेगी। चीन का विश्वास है कि भारत से सीमा विवाद इतिहास की विरासत है। इसलिए एलएसी विवाद और आपसी संबंधों को अलग-अलग रखा जाए। भारत का मानना है कि जब तक एलएसी के विवादित क्षेत्रों से सेनाओं की वापसी नहीं होगी, द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं होंगे। भारत ने दृढ़ता से स्पष्ट कर दिया है कि एलएसी पर मई, 2020 की स्थिति कायम होनी चाहिए। संतोष की बात है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेना की तैनाती के बावजूद सीमा पर शांति कायम है। भारत और चीन के सैनिक किसी हिंसक झड़प की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्पर दिखते हैं। इसी महीने दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ब्रिक्स शिखर वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भेंट होगी। संभव है, सीमा संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा हो। अगर एशिया को विश्व की सदी बनाना है तो चीन को बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए पहल करनी चाहिए। भारत तो मानता ही है कि सीमा से सेना को हटाए बिना न शांति स्थापित होगी और न द्विपक्षीय संबंध सामान्य होंगे।

चिंतन-मनन

ध्वनि तरंगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तरंगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

अंतरिक्ष मिशन में भारत की ऐतिहासिक सफलता

सनत जैन

अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान-3 अपने लक्ष्य के बिल्कुल नजदीक पहुंच गया है। जल्द ही यह चंद्रमा पर लैंड करेगा। सारी दुनिया के देशों में इतिहास के पन्नों में भारत का नाम इस असाधारण सफलता के लिए दर्ज होगा। चंद्रयान 3 के प्रोपल्शन माड्यूल और लेंडर माड्यूल चंद्र की कक्षा में सफलतापूर्वक अलग-अलग हो गए हैं। यान से अलग होकर लैंडर अब चंद्रमा की सतह पर चक्कर लगा रहा है। चंद्रमा से मात्र 100 किलोमीटर की दूरी पर चक्कर लगा रहा है। 23 अगस्त को शाम को लैंडर विक्रम की चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी सफलतापूर्वक हो गई है। इस लेंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद भारत अंतरिक्ष की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गया है। जल्द ही भारत चंद्रमा को लेकर ऐसे नए-नए खुलासे करेगा। जिससे प्रक्रति और मानव उत्थान के नए रहस्य उजागर होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की यह सबसे बड़ी सफलता है। जैसे ही यान से लेंडर अलग हुआ। उसके बाद इसरो सहित देश के सभी हिस्सों में खुशी की लहर दौड़ गई। 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान 3 मिशन चांद की ओर रवाना हुआ था। 1 अगस्त को सिलन्गशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर वह चंद्रमा की कक्षा में 5 अगस्त को प्रवेश कर गया था। 16 अगस्त को अंतरिक्ष की सभी कक्षाओं को पार करके चंद्रमा के कक्ष में पहुंच गया है। यान से सफलता पूर्वक लैंडर मॉड्यूल अलग हो गया। 23 अगस्त को लेंडर चंद्रमा में लैंड करेगा। 6 पहियों वाला यह रोवर प्रज्ञान अंतरिक्ष के कई ऐसे रहस्य को उजागर करने वाला होगा। जिनकी जानकारी अभी तक दुनिया को नहीं है। चंद्रमा की सतह पर जो जो वातावरण है,खनिज है, चंद्रमा के जीवन को लेकर तथा ब्रह्मांड में पर्यावरण और आने वाली कठिनाइयों का कारण जानने के लिए यह मुहिम सारी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाएगी। अभी तक चंद्रमा में जो भी खोज हुई है। वह खोज भूमध्य रेखीय क्षेत्र में और चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण के कुछ हिस्सों में हुई है। उस हिसाब से यह मिशन सारी दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत के वैज्ञानिकों ने चंद्र यान मिशन में जिस तरह की सफलता प्राप्त की है। उसे दुनिया के बड़े-बड़े देश चौंक गए हैं। एक बार फिर इसरो का डंका सारी दुनिया में बज गया है। इसरो के वैज्ञानिकों को इस सफलता के लिए जितनी भी बधाई दी जाए, वह कम है। सेटेलाइट के क्षेत्र में भी इसरो ने सारी दुनिया मे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में सारी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने के लिए अब भारत तैयार हो गया है। भारत मे शोध को लेकर सरकारों द्वारा वह सुविधा नहीं दी जाती है। जो उन्हें मिलनी चाहिए। शोध कार्यो के लिए यदि सरकार हर किस्म के संसाधन उपलब्ध कराए, तो भारत सारी दुनिया का सिरमौर बन सकता है। भारत के जुगाड़ू दिमाग का सारी दुनिया लोहा मानती है। चंद्रयान की सफलता के बाद,सरकार को इस दिशा में विशेष रूप से,इसरो और अन्य संस्थान जो शोध के माध्यम से नई नई सफलताएं अर्जित कर रहे हैं उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

मुद्दा : कितना सुरक्षित है निजी डेटा

रजनीश कपूर

आए दिन हमें डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों के बारे में पता चलता है। कैसे कुछ शातिर लोगों का गैंग योजनाबद्ध तरीके से भोलेझभाले लोगों को ठगने की मंशा से उन्हें अपना शिकार बनाता है। उनकी मेहनत की कमाई को कुछ ही पल में फुर्र कर देता है। उसके बाद ऐसे खॅड का शिकार व्यक्ति अपनी शिकायत लेकर दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो जाता है। परंतु सरकार ने इस खॅड को रोकने और जरूरी निजी जानकारी की सुरक्षा की दृष्टि से 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल' संसद में पेश किया है, जो अब कानून बन गया है। हाल में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल, 2023 पेश किया। इस विधेयक के तहत नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा के अधिकार व्यवस्था करता है। सवाल है कि यदि यह बिल नागरिकों की निजी जानकारी सुरक्षा की दृष्टि से लाया गया है, तो इसका इतना विरोध क्यों? क्या विरोध केवल विरोध के लिए ही है, या इसका कोई वाजिब कारण भी है? गौरतलब है कि नागरिकों के पर्सनल डेटा की सुरक्षा को लेकर देश भर में पहले से ही काफी बहस चल रही है परंतु इस बहस को गति देने की पहल देश की सर्वोच्च अदालत ने 24 अगस्त, 2017 को अपने फैसले से की। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, 'निजता का अधिकार लोगों का मूलभूत अधिकार है।' नौ जजों वाली संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार बताया है। पीठ ने कहा, 'निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए जीने के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है।' यहां यह समझना जरूरी है कि इस बिल के तहत हमारे किस डेटा की सुरक्षा की बात हो रही है। 'डिजिटल पर्सनल डेटा' वो होता है जो आप किसी भी ई-कॉमर्स की वेबसाइट पर प्रदान करते हैं। यह डेटा वो होता है जिससे आपकी और आप जैसे करोड़ों उपभोक्ताओं की विभिन्न ई-कॉमर्स वेबसाइट पर पहचान बनती है। उदाहरण के लिए आप किसी वेबसाइट से रोजमर्रा का सामान मंगवाते हैं, तो आपका 'यूजर नेम', 'पासवर्ड', आपकी जन्मतिथि, आपके घर या ऑफिस का पता, आपका मोबाइल नंबर, पैन नंबर, आधार नम्बर आदि। इसके साथ ही आपके द्वारा मंगाए जाने वाले सामान या भोजन आदि भी आपके प्रोफाइल में अंकित हो जाते हैं। आपकी खरीदारी का मूल्य, सोशल मीडिया साइट्स पर आप किस से क्या बात कर रहे हैं, आपकी लोकेशन क्या है, आप किस लोकेशन पर ज्यादा समय बिताते हैं- ऐसी जानकारियों को 'डिजिटल पर्सनल डेटा' कहते हैं।

इस डेटा का दुरुपयोग बहुत आसान है। सोशल मीडिया वेबसाइट्स व ई-कॉमर्स वेबसाइट्स या मोबाइल ऐप्स आपके इस डेटा को, बिना आपकी जानकारी के, अन्य कंपनियों को बेच देते हैं। इस 'डिजिटल पर्सनल डेटा' के आधार पर विभिन्न वेबसाइट्स आपके कंप्यूटर या फोन पर आपको तरह-तरह के विज्ञापन आदि दिखाते हैं, और ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। जाहिर सी बात है कि इन विज्ञापनों से इन वेबसाइट्स को मुनाफा होता है। अमेरिका में 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में फेसबुक पर मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप में हजारों करोड़ का जुमार्ना लगाया गया था।

ऐसा नहीं है कि निजता के बचाव की मंशा से यह पहली बार हो रहा है। इससे पहले साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति एपी शाह की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी थी जिसने प्राइवेसी कानून बनाने की सिफारिश भी की थी। लेकिन मामला ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। उसके बाद से अब तक कई बार इस मामले पर कमेटी बनीं और विधेयक भी प्रस्तावित किए गए। परंतु 'डिजिटल पर्सनल डेटा' की उचित सुरक्षा न हो पाने के कारण विपक्ष और जानकारों ने इसे कानून बनने नहीं दिया। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि यह बिल निजी डेटा की सुरक्षा के नाम पर, सरकार ने अपने पास मनमानी शक्तियां इकट्ठा कर ली हैं। इसके बाद इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया। उसने अपनी रिपोर्ट में कई संशोधन और सुझाव दिए। सरकार ने इन सुझावों व संशोधनों के न मानकर अगस्त, 2022 में विधेयक को वापिस ले लिया। मॉनसून सत्र में इसे दोबारा पेश किया। परंतु अबकी भी सरकार ने यह नहीं बताया पिछले के मुकाबले इस विधेयक में क्या बदलाव किए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में 'जैसा कि निर्धारित किया जाएगा' वाक्य को 26 बार प्रयोग किया गया है। विपक्ष के अनुसार इसका सीधा मतलब यह है कि काफी कुछ अंधेरे में है, और नियमों को बंद दरवाजे से लाया जाएगा। उसका आरोप है कि यह बिल निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है, और इससे सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून भी कमजोर होगा। जबकि सत्ता पक्ष ने जोर दिया कि बिल सिर्फ व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षा देगा और आरटीआई पर इससे कोई असर नहीं पड़ेगा।

नर के रूप में यह नारायण की सेवा है: सीएम योगी

● मुख्यमंत्री ने अपना घर आश्रम की सराहना की ● बोले- देश में दिव्यांगजनों और निराश्रितों के प्रति धारणा बदली है

संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्रम घर की सराहना करते हुए कहा कि नर के रूप में यह नारायण की सेवा है। सीएम ने बताया कि वे समीक्षा बैठक में 'अपना घर आश्रम' के सेवा भाव का जिक्र कर लोगों से सीखने को कहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सामने घाट - गढ़वा रोड स्थित ' अपना घर आश्रम' पहुंचे, जहां निराश्रितों की सेवा की जाती है। मुख्यमंत्री ने प्रभुजी (आश्रम में रहने वाले निराश्रित लोग, जिनका इलाज होता है) से हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने आश्रम में निर्मला बिरला, कोलकाता द्वारा निमार्णाधीन भवन "प्रभु सेवा केंद्र" का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में दिव्यांगजनों और निराश्रितों के प्रति धारणा बदली है। उन्होंने चिकित्सक दम्पति के प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे समाज के असहाय लोगों को सहायता मिल रही है। इस तरह के आश्रम अन्य स्थानों पर भी होने चाहिये। इस कार्य मे समाज के लोगों को आगे आकर अपनी सहभागिता करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपना घर आश्रम में निराश्रितों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपचार, भोजन, कपड़े, निवास और अन्य आवश्यकता की वस्तुएं बिना किसी शुल्क समाज के सहयोग से प्रदान की जाती हैं। योगी आदित्यनाथ ने अपना घर आश्रम में रह रहे लोगों को पेंशन,आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड,दिव्यांगजन पेंशन, कृत्रिम अंग समेत सभी योजनाओं से जोड़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के सीएसआर फंड से अपना घर को 42 लाख 38 हजार 935 रुपये का चेक प्रदान किया। जिला राइफल क्लब की ओर से भी 2,22,800 रुपये आश्रम के प्रबंधक को उपलब्ध कराए गए। अपना घर आश्रम की स्थापना 14 अक्टूबर 2018 को वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. के. निरंजन और उनकी पत्नी डेंटल सर्जन डॉ. कात्यायनी ने अपनी टीम के साथ पवित्र गंगा नदी के तट पर असहाय, निराश्रित बीमार व्यक्तियों की सेवा के लिए किया था। इस आश्रम के लिए डॉ. दंपत्ति द्वारा सौ बिस्तरों वाली आवासीय क्षमता का भवन भी उपलब्ध कराया गया है। यह आश्रम महिला और पुरुष दोनों के लिए है, जिसकी क्षमता 50-50 है। यहां पर निराश्रितो को सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे उपचार, भोजन, कपड़े, निवास और अन्य आवश्यकताएं बिना समाज के सहयोग से प्रदान की जाती हैं।बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, इसकी क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ाकर 300 कर दिया गया है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड के एमडी नवीन कपूर आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

बिजनौर में बजरंग दल के कार्यकर्ता धरने पर बैठे

संवाददाता

बिजनौर। सदर तहसील में प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर कल तहसीलदार और बजरंग दल कार्यकताओं के बीच हुई कहासुनी और हंगामे को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी इकट्ठा होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और तहसीलदार पर बदसलूकी का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी करते है। कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठ गए। दरअसल यह पूरा मामला बिजनौर शहर के सदर तहसील का है। जहां बुधवार को तहसील परिसर में उस वक्त हंगामा हो गया था। जब ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर बजरंग दल के कार्यकताओं व तहसीलदार में जमकर नोक-झोंक व हंगामा हो गया था। बजरंग दल के विभाग संयोजक आशीष बालियान का कहना है कि उनके एक कार्यकर्ता का ईडब्ल्यूएस में रजिस्ट्रेशन होना था। जिसको 14 दिन पहले ऑनलाइन करा दिया गया था। हलका लेखपाल ने आज 11 बजे सर्टिफिकेट देने की बात कही थी। कार्यकर्ता जब तहसीलदार के पास बात करने के लिए गया तो तहसीलदार ने उसे धक्के देकर बाहर निकाल दिया। सूचना पर बजरंग दल के अन्य लोगो के साथ वह खुद मौके पर पहुंचे तो तहसीलदार ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें दफ्तर से अपने स्टाफ को बुलाकर खदेड़ दिया। तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता पदाधिकारी इकट्ठा होकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठ गए। विभाग संयोजक आशीष बालियान का कहना है की जब तक तहसीलदार को सस्पेंड नहीं किया जाता है। तब तक हम लोग धरने पर बैठे रहेंगे।

बिजनौर में बग्गी और बाइक की टक्कर, दो गंभीर घायल:हायर सेंटर रेफर

बिजनौर । मंडावली इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक और घोड़ा बग्गी की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि घोड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। डाक्टरो ने दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। दरअसल यह पूरा मामला बिजनौर के मंडावली थाना क्षेत्र के वालिया होटल के पास का है, जहां देर रात एक हादसा उस समय हुआ, जब मंडावली थाना क्षेत्र के काशीरामपुर का रहने वाला घनश्याम पुत्र नन्हे सिंह देर रात अपनी घोड़ा बग्गी में समान लोड करके वापस अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही वह वालिया होटल के सामने पहुंचा तो सामने से आ रही मोटरसाइकिल ने बग्गी को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सवार दो युवक अफान(19) पुत्र कफील निवासी भगुवाला व राजा (20) गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भयंकर थी की घोड़ी की मौके पर मौत हो गई, जबकि बग्गी के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से एक को हायर सेंटर रेफर किया गया।

बिजनौर: महिला ने नदी में लगाई छलांग

संवाददाता

बिजनौर । शेरकोट इलाके में आज उस वक्त हड़कंप मच गया जब खो नदी में एक महिला ने अचानक से छलांग लगाने की सूचना मिली। महिला के कूदने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरफ की टीम ने महिला की तलाश के लिए सर्च अभियान शुरू कराया। महिला के डूबने से परिवार में कोहराम मच गया परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरा मामला बिजनौर के शेरकोट थाना क्षेत्र के खो नदी का है, जहां गुरुवार को एक महिला के कूदने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। महिला के खो नदी में डूबने की खबर पर शेरकोट इंस्पेक्टर किरन पाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और निजी गोताखोर और पीएसी के जवानों की मदद से खो नदी में डूबी महिला की तलाश शुरू कराई। काफी मशक्कत के बाद भी महिला का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है।

बताया जा रहा है कि शेरकोट थाना क्षेत्र के गांव मंधोरा की रहने वाली पूनम (35) की शादी मिजार्पुर के सचिन के साथ हुई थी। पूनम के तीन बच्चे हैं, जिसमें 2 बेटे और एक बेटी है। पूनम के परिजनों का आरोप है कि पूनम का पति सचिन अपने परिवार वालों के साथ मिलकर उसको तंग करता था। आए दिन झगड़ा होता था इसी से नाराज होकर पूनम बुधवार को घर से लापता हो गई थी, जिसकी शेरकोट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बताया जा रहा है कि शेरकोट के पुराने पुल से किसी महिला ने खो नदी में छलांग लगा दी। इस सूचना पर पुलिस आनन-फानन में मौके पर पहुंची और महिला की तलाश के लिए गोताखोरों की टीम बुलाकर तलाश शुरू कराई। मौके पर पहुंचे तहसीलदार धामपुर जयेंद्र सिंह का कहना है कि एक महिला के डूबने की सूचना मिली थी। चप्पल मिले हैं, लेकिन डूबते हुए किसी ने नहीं देखा। महिला को तलाश के एसडीआरफ और गोताखोरों की टीम नदी में सर्च अभियान चला रही है।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन निकाली गई विशाल कलश यात्रा

संवाददाता

धामपुर । नगर धामपुर, मौ, गुजरातियान स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में नगर की विभिन्न धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किए जा रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के पहले दिन धर्मनगरी धामपुर में विशाल कलश यात्रा निकाली गईं। कलश यात्रा से पूर्व सामूहिक पूजन किया गया ।

कलश यात्रा का शुभारंभ धामपुर नगरपालिका अध्यक्ष चौ रवि कुमार सिंह, एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजू गुप्ता व वरिष्ठ चिकित्सक डा,आदित्य अग्रवाल द्वारा नारियल तोड़कर यात्रा का शुभारंभ किया गया।

कलश यात्रा में शामिल पीत वस्त्रों से सुसज्जित महिलाओं ने सिरों पर मंगल कलश धारण किए हुए भगवान कृष्ण एवं राधा रानी के गुणगान से निर्धारित मार्गो को राधा कृष्ण बना दिया कलश यात्रा राधा कृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर धामपुर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए राधा कृष्ण मंदिर मोहल्ला गुजरातियान में आकर समापन हुआ ।कलश यात्रा का मार्गो में अनेकों स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। कथा वाचक पंडित परितोष शास्त्री जी के मुखारविंद से प्रतिदिन 3,,6 बजे तक श्रीमत भागवत कथा होगी।

कलश यात्रा के दौरान इंजीनियर अनिल शर्मा, विनीत कुमार कौशिक, अश्विनी पंडित ,आकाश शर्मा ,राहुल त्यागी ,संदीप शर्मा ,गणेश मराठा ,मुन्ना बजरंगी, अनूप कुमार ,अनुज कुमार ,विजय शर्मा ,अंकुर गोयल, हर्षा विजय कुमार शर्मा ,आदि शामिल रहे।

विकास एवं निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करें : सीएम

संवाददाता

वाराणसी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले समीक्षा बैठक की। अधिकारियों को निर्देशित किया कि निमार्णाधीन विकास एवं निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर अभियान चलाकर गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करें। योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने रिंग रोड के किनारे शहर का विस्तार व बस अड्डे स्थापित किए जाने पर विशेष जोर दिया। कहा कि रिंग रोड के किनारे ट्रांसपोर्ट नगर बसाया जाए। सीएम ने वेयरहाउस को स्थानांतरित कराए जाने की बात कही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार को वाराणसी पहुंचे। सीएम ने सर्किट हाउस में विभागीय परियोजनाओं तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संचारी रोग से निपटने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरा किए जाने का निर्देश देते हुए लापरवाही बर्दाश्त न बरतने की बात कही। डेंगू, चिकनगुनिया आदि संक्रामक रोगों के दृष्टिगत प्रभावित क्षेत्रों में दवाओं का छिड़काव सहित अस्पतालों में समुचित व्यवस्था और ओपीडी में डॉक्टरों की 24 घंटे उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। सर्विलांस टीम एक्टिवेट रखी जाए। मुख्यमंत्री ने वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को जनता की समस्याओं को सुगमता से निस्तारण करने को कहा। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यालयों में समय से बैठें और जन सामान्य की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण सुनिश्चित करें। कार्यों को मेरिट के आधार पर निस्तारित कराएं। स्ट्रीट वेंडरों को जोन में सुरक्षित पुनर्वास किया जाए और इसमें लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकता स्वच्छता है। उन्होंने शहर की स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि शहर की नियमित सफाई हो तथा प्रतिदिन कूड़ा उठाया जाये। उन्होंने शहर के शौचालयों को नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बोले- जी-20 का कार्यक्रम आगामी दिनों में होना है, अच्छी स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए सभी संभावित तैयारी पूर्ण किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि बाढ़ की स्थिति में क्षेत्र के प्रभावित लोगों को तुरंत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। राहत कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के साथ-साथ पुलिस की भी पेट्रोलिंग कराई जाए। मुख्यमंत्री ने जन शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान आईजीआरएस, मुख्यमंत्री पोर्टल एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण प्रत्येक दशा में प्राथमिकता पर निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित समीक्षा कर राजस्व वसूली में तेजी लाने को कहा। राजस्व वादों को भी प्राथमिकता पर निस्तारण किए जाने पर विशेष जोर दिया। तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के फील्ड के अधिकारी व कर्मचारी अपने-अपने तैनाती स्थल पर ही रात्रि निवास करें। थानेदार भी अपने-अपने थाना क्षेत्र में ही निवास करें।

राम हों या कृष्ण, शंकराचार्य हों या विवेकानंद, युवाओं ने हर कालखंड में दी समाज को नई दिशा: सीएम योगी

● यूथ-20 समिट के उद्घाटन में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● सीएम बोले- हमें विशिष्ट बनाती है डेमोग्रॉफी, डेमोक्रेसी व डायवर्सिटी की त्रिवेणी ● मुख्यमंत्री ने युवाओं का बढ़ाया हौसला, बोले- युवा आज का नेता और कल का निमार्ता है ● दुनिया के नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र है भारत: योगी ● पीएम मोदी ने युवाओं की प्रतिभा को बढ़ाने के लिए दिया मंच: सीएम

संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब मैं युवा साथियों के बारे में सोचता हूं, कहीं से लगता है कि युवाओं की प्रतिभा पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास किया जाता है तो मुझे इस बात का दुख होता है कि कौन सा ऐसा कालखंड नहीं था, जब युवाओं ने अपनी प्रतिभा व ऊर्जा से समाज को नई दिशा न दी हो। प्राचीन काल से भारत की व्यवस्था को देखें तो युवाओं ने अपने समय में अनेक कार्य किए। युवा शक्ति के रूप में मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम भी याद आते हैं, उन्होंने संकल्प लिया था 'निसचर हीन करऊं महि, भुज उठाई पन कीन्ह'... जब भारत की धरती से उन्होंने राक्षसी प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त करने का आह्वान किया था, तब राम युवा ही थे। मथुरा को कंस व राक्षसों के अत्याचार से मुक्त करने वाले 'परित्राणाय साधुनाम्, विनाशाय च दुष्कृताम्' का आह्वान करने वाले श्रीकृष्ण भी युवा ही थे। दुनिया को निर्माण का संदेश देने वाले महात्मा बुद्ध, ज्ञान प्राप्त करने के बाद पहला उपदेश इसी सारनाथ में देते हैं, तब वे भी युवा ही थे। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वाराणसी में कहीं। वे रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, सिगरा में जी-20 के तहत आयोजित यूथ-20 समिट के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री व वाराणसी के सांसद व नरेंद्र मोदी का आभारी हूं, जिन्होंने जी-20 समिट से जुड़े कई समिट के आयोजन का अवसर यूपी को दिया। इसमें वाई-20 का मुख्य समिट वाराणसी में आयोजित हो रहा है। सीएम ने उम्मीद जताई कि वाई-20 का यह समिट दुनिया भर के युवाओं के लिए नई प्रेरणा का संदेश देकर जाएगा। सीएम ने कहा कि भारत के अंदर चार कोनों में चार पीठों की स्थापना करने वाले व भारत की सांस्कृतिक एकता को मजबूती प्रदान करने वाले आदि शंकर मात्र 32 वर्ष तक ही जीवित रहे। स्वामी विवेकानंद ने भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने का कार्य किया। उन्होंने महज 39 वर्ष ही जीवन जिया। स्वामी प्रणवानंद ने मात्र 42 वर्ष का जीवन जीया था। 'सवा लाख से एक लड़ाऊं' का उद्घोष करने वाले गुरु गोविंद सिंह, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जी महाराज भी युवा ही थे। रानी लक्ष्मीबाई काशी में जन्मी थीं। मात्र 23 वर्ष की आयु में झांसी की आजादी के लिए युद्ध लड़ा था। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का उद्घोष करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी युवा ही थे। भारत की आजादी के लिए क्रांतिदूत बनकर बलिदान देने वाले चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, राजगुरु, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह आदि क्रांतिकारी युवा ही थे। विनायक दामोदर सावरकर को मात्र 28 वर्ष की आयु में दो बार आजीवन कारावास की सजा हुई, वे भी युवा ही थे। महाभारत का वह दृश्य, जिसमें 16 वर्ष का अभिमन्यु चक्रव्यूह को भेदता हुआ कौरवों के छक्के छुड़ाता है। वह युवा ही थे। फ्रांस के लुईस ब्रेल ने 15 वर्ष की आयु में दृष्टिहीनों के लिए लिपि की खोज की थी। सापेक्षता का सिद्धांत देने वाले आइंस्टीन की आयु उस समय मात्र 16 वर्ष थी। गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत देने वाले न्यूटन की आयु उस समय मात्र 23 वर्ष की थी। सीएम ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता व एकता के कारण भारत दुनिया के नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। लोकतांत्रिक परंपराओं पर विश्वास करते हुए 140 करोड़ की आबादी जिस भाव-भंगिमा के साथ एकता व अखंडता के लिए यशस्वी नेतृत्व में कार्य कर रही है, वह भारत को दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के रूप में भी प्रस्तुत करती है। डेमोग्रॉफी, डेमोक्रेसी व डायवर्सिटी की यह त्रिवेणी हमें विशिष्ट बनाती है। नित्य नूतन व चिर पुरातन संस्कृति की सुदृढ़ नींव पर हमारा देश अपने स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरा करते हुए अमृतकाल के प्रथम वर्ष में जी-20 के इस आयोजन की अध्यक्षता कर रहा है। हर भारतवासी न केवल इन आयोजनों के प्रति लालायित है, बल्कि वैश्विक मंच पर उभरते भारत के रूप में प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है। सीएम ने कहा कि वाराणसी बाबा विश्वनाथ का पावन धाम है। प्राचीन काल से धर्म व अध्यात्म की नगरी होने के साथ ही भारत के अध्यात्म दर्शन, शिक्षा, साहित्य और कला की भूमि के रूप में भी यह प्राचीन नगरी के रूप में जानी जाती रही है। वाराणसी उत्तर प्रदेश के प्रमुख महानगरीय होने का सौभाग्य प्राप्त करती है। इसमें न केवल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परंपरा, बल्कि कला, संगीत व शिक्षा की प्रमुख नगरी के रूप में भी वाराणसी समेत उप्र के अनेक नगरों को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि वह भारत के हृदय स्थल के रूप में पहचान बनाने में सफल हुए हैं। वाराणसी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भगवान बुद्ध ने सारनाथ में पहला उपदेश दिया था, जो आज भी बौद्ध अनुयायियों के लिए पवित्र व आकर्षण का केंद्र बना है। सीएम योगी ने कहा कि जी-20 की थीम वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर यह भारत की उस प्राचीन व्यवस्था को प्रस्तुत करता है, जिसने हजारों वर्ष पहले दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश दिया था यानी परिवार को पूरी दुनिया मानने वाली व्यवस्था। यह मेरा, यह तेरा संकुचित लोगों की सोच है। उच्च चरित्र वाले लोग समस्त संसार को ही परिवार मानते हैं। हमें गर्व है कि भारत ने सदैव उदार भावनाओं का प्रतिनिधित्व किया है और जी-20 का यह समिट इस बात का उदाहरण भी है। हमारे युवा आने वाले समय के नीति-नियंता है, इसलिए विश्व मानवता के बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान में की जा रही उनकी भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जी-20 के अंदर वाई-20 का यह आयोजन पूरे आयोजन की प्रासंगिकता को बढ़ाता है। यह सम्मेलन इस वैचारिक यात्रा की परिणीति का प्रतीक है, जो दुनिया के सभी कोनों से आए युवाओं के सामूहिक प्रयास से प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं की प्रतिभा व क्षमता को बढ़ाने के लिए मंच दिया। स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, अटल इनोवेशन मिशन समेत अनेक ऐसे कार्यक्रम भारत के युवाओं को इनोवेशन व रिसर्च के क्षेत्र में बढ़ाने के लिए नए अवसर प्रदान करते हैं। भारत वैश्विक स्तर पर आज जी-20 समूहों की अध्यक्षता कर रहा है, लेकिन भारत ने प्राचीन काल से ही सदैव विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। जी-20 के तहत वाई-20 के इस समिट में आए प्रतिनिधियों ने 5 थीम तय किए हैं कि दुनिया को वसुधैव कुटुम्बकम के संदेश के साथ जोड़ते हुए उसे बढ़ाने और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना होगा। जिस व्हाइट पेपर को आप लोगों द्वारा जारी किया जा रहा है यह दुनिया के युवाओं को सकारात्मक ऊर्जा के साथ जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा का उपयोग विश्व मानवता के साथ कर सके। युवा आज का नेता और कल का निमार्ता भी है। उस युवा शक्ति की प्रतिभा का सम्मान करते हुए आगे बढ़ने के लिए हम प्रेरित कर सकेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना-प्रसारण, खेल व युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर, प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अरविंद कुमार शर्मा, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, गिरीश चंद यादव आदि मौजूद रहे।

मेट्रो में रील्स और डांस वीडियो बनाने वालों को DMRC की चेतावनी, कही यह बात

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ट्रेन के अंदर कभी यात्रियों के बीच लड़ाई तो तो कभी कपल के द्वारा की गई अश्लील हरकत करने के वीडियो वायरल होते रहते हैं। दिल्ली मेट्रो वीडियो बानने वालों की पसंदीदा जगह

बनी हुई है। ट्रेन के अंदर से हर रोज तरह-तरह के वीडियो वायरल होते रहते हैं। डीएमआरसी कई बार ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी जारी कर चुका है। लेकिन लोग हैं कि मानने को ही तैयार नहीं है। अब डीएमआरसी ने मेट्रो के अंदर और प्लेटफॉर्मों पर डांस करने वालों के खिलाफ चेतावनी देते जारी की है। DMRC ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर एक मीम शेयर किया है। इस मीम में एवेंजर्स फिल्म के एक सीन को दिखाया है।

साइन इंडिकेटर नोटिस बोर्ड लगा रहे पीडब्ल्यूडी वर्कर की सड़क हादसे में मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में जीटी रोड पर सड़क के डिवाइडर पर एक खंभे पर साइन इंडिकेटर नोटिस बोर्ड लगा रहे पीडब्ल्यूडी वर्कर की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार महिंद्रा थार जीप ने सड़क पर खड़े एक मिनी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी थी। इस कारण वह सड़क के डिवाइडर पर काम कर रहे पीडब्ल्यूडी वर्कर पर जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस हादसे में दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद थार चालक और उसमें सवार अन्य लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। मृतक की पहचान शालीमार गांव निवासी 32 वर्षीय सोहन के तौर पर हुई हैं। वह पीडब्ल्यूडी में काम करता था। इसके साथ ही मिनी ट्रक चलाता था। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि शुक्रवार तड़के एक बजकर 48 मिनट पर शास्त्री पार्क थाना क्षेत्र में जीटी रोड, युधिष्ठिर सेतु के पास दुर्घटना के बारे में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। शास्त्री पार्क थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। उस समय वहां एक मिनी ट्रक और महिंद्रा थार वाहन क्षतिग्रस्त हालात में मिले। मिनी ट्रक में दबा एक युवक मिला, जिसे निकालकर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सोहन सड़क के डिवाइडर पर लगे एक खंबे पर साइन इंडिकेटर नोटिस बोर्ड लगा रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार महिंद्रा थार वाहन उसके मिनी ट्रक से आकर टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि मिनी ट्रक डिवाइडर पर कम कर रहे सोहन के ऊपर जा गिरा। इस टक्कर से सोहन की मौके पर मौत हो गई। इस हादसे में महिंद्रा थार और मिनी ट्रक दोनों बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिन्हें मौके से जब्त कर लिया गया। मौके पर थार सवार कोई नहीं मिला। सभी फरार हो गए। जांच में यह भी सामने आया है कि महिंद्रा थार का चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में दाखिल कराया गया है। डीसीपी ने बताया कि थार जीप के चालक को समाचार लिखे जाने तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

सौर ऊर्जा आपूर्ति के लिए राजस्थान और एनएलसी इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने राजस्थान में 300 मेगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के साथ दीर्घकालिक विद्युत उपयोग समझौता किया है। एनएलसी इंडिया लिमिटेड की 1,421 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता है। कंपनी की कॉरपोरेट योजना के अनुसार वह 2030 तक 6,031 मेगावाट क्षमता स्थापित करने पर विचार कर रही है।

कांग्रेस-आप में फिर रार : संदीप दीक्षित बोले- AAP भ्रष्ट और भरोसे के लायक नहीं, चुनाव को लेकर भी रुख किया साफ

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच एक बार फिर से टकराव की स्थिति है। अब शुक्रवार को कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी को भ्रष्ट और भरोसे के लायक नहीं बताया है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों हुई बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी। हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे बल्कि ये कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे।

संदीप दीक्षित ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहा, हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे। हमने कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे। गठबंधन की परवाह किए बिना हर पार्टी तैयारी करती है। जब गठबंधन बनेगा तो तय होगा कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा। हमारी बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी। हमने बैठक में गठबंधन पर चर्चा नहीं की। हमारा रुख यह है कि हम इस पार्टी (क्क) पर भरोसा नहीं कर सकते। उनकी राजनीति में भ्रष्टाचार है।

#WATCH हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे। हमने कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे। गठबंधन की परवाह किए बिना हर पार्टी तैयारी करती है। जब गठबंधन बनेगा तो तय होगा कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा। हमारी बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी। कांग्रेस की बैठक के बाद से आप-कांग्रेस में खींचतान

दिल्ली में बुधवार को संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी।

बैठक से बाहर आने के बाद अलका लांबा ने कहा था कि करीब तीन घंटे तक यह बैठक चली। जिसमें राहुल गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, केसी वेणुगोपाल और दीपक बाबरिया मौजूद रहे। अलका ने कहा था कि पार्टी ने हमें आगामी लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी करने को कहा है। उनका कहना था कि यह निर्णय लिया गया है कि दिल्ली में सभी सात सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

वहीं, इसके कुछ देर बाद कांग्रेस ने अलका के बयान का खंडन करते हुए कहा कि बैठक में ऐसे किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। इसके बाद से ही आम आदमी पार्टी सत्ता पक्ष से लड़ने के लिए बने विपक्ष के गठबंधन I.N.D.I.A को लेकर सवाल उठा रही है।

दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायकों का हंगामा, सदन का किया बहिष्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली विधानसभा सदन की कार्यवाही शुक्रवार को शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। दिल्ली विधानसभा में नरेश बाल्यान मामले को लेकर भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू किया। उन्होंने कहा कि वह एक बदमाश के साथ वसूली कर रहे हैं इस मामले में विधानसभा ने संज्ञान लेना चाहिए।इस मामले में आप विधायक विनय मिश्रा ने बताया कि इस मामले में नरेश बालियान ने एफ आई आर दर्ज कराई है। वहीं, कोर्ट ने संबंधित चैनल को यह खबर चलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि यह खबर फर्जी है। भाजपा विधायकों ने सदन का बहिष्कार किया। संसद में पेश हुई सीएनजी की रिपोर्ट पर विधानसभा उपाध्यक्ष की ओर से बोलने का मौका देने से मना करने

पर भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू किया। विधानसभा में संसद में पेश हुई रिपोर्ट के तहत दिल्ली सरकार की ओर से आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सेवा और द्वारका एक्सप्रेसवे बनाने के मामले पर चर्चा कराई जा रही है।

दिल्ली-पुणे विस्तारा फ्लाइट में बम होने की धमकी मिलने पर मचा हड़कंप, तलाशी में नहीं मिला संदिग्ध सामान

नई दिल्ली। दिल्ली से पुणे जा रही विस्तारा की उड़ान में शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर बम की धमकी के संबंध में सूचना मिलने के बाद सभी लोग विमान से उतर गए। हवाईअड्डे के एक सूत्र ने कहा, 'दिल्ली-पुणे उड़ान में बम होने की धमकी मिली थी और इसे आईजीआई पर आगे की जांच के लिए सुरक्षा दल को सौंप दिया गया।' अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह 8.52 बजे हवाईअड्डे से एक उड़ान में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद एहतियात के तौर पर एक दमकल गाड़ी को मौके पर भेजा गया। विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा, ÷हम पुष्टि करते हैं कि शुक्रवार को दिल्ली से पुणे के लिए उड़ान भरने

वाली उड़ान यूके971 में अनिवार्य सुरक्षा जांच के कारण देरी हुई है।

प्रवक्ता ने कहा, हम इसके लिए संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। इस बीच, हम अपने ग्राहकों को नाश्ते की पेशकश सहित असुविधा को कम करने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। विस्तारा में, हमारे ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है।÷ अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

बिलकिस: दोषियों की रिहाई की चयन प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट का गुजरात सरकार पर तीखा सवाल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के परिवार के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या से संबंधित मामले में 11 आजीवन कारावास के दोषियों को रिहा करने के लिए अपनाई गई छूट नीति में चयन करने के तौर-तरीके पर गुजरात सरकार से सवाल करते हुए गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर अनिश्चित स्थिति में है। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने गुजरात सरकार से तीखे सवाल किये और सभी संबंधित पक्षों से मामले में सुनवाई की अगली तारीख 24 अगस्त को अपनी-अपनी दलीलें पूरी करने को कहा।

पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू के कानून और नियमों के अनुसार छूट को उचित ठहराने की कोशिश पर गुजरात सरकार से कठिन सवाल पूछे। पीठ कहा कि जहां तक 11 दोषियों को सुधार का अवसर की दलील देकर सजा में छूट देने का

सवाल है तो ऐसा सभी को दिया जाना चाहिए, केवल कुछ को नहीं। पीठ ने श्री राजू से कहा, 'छूट की नीति चयनात्मक रूप से क्यों लागू की जा रही है? पुनः शामिल (समाज की मुख्य धारा में) होने और सुधार का अवसर हर दोषी को दिया जाना चाहिए, कुछ को नहीं। सवाल यह है कि सामूहिक रूप से नहीं, लेकिन जहां सजा में छूट के पात्र हैं। क्या 14 साल के बाद आजीवन कारावास की सजा पाने वाले सभी दोषियों को ऐसे छूट के लाभ के मौके दिये जा रहे हैं।' पीठ ने जेल सलाहकार समिति की संरचना के बारे में भी विवरण मांगा (ऐसी आलोचना थी कि समिति में दो भाजपा विधायक थे)। पीठ ने राजू से यह भी पूछा कि क्या दोषियों की माफी पर जब उनसे राय मांगी गई थी तो क्या केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी नकारात्मक राय नहीं दी थी? गुजरात सरकार ने शीर्ष अदालत के 13 मई, 2022 के फैसले के आधार पर 11 दोषियों को छूट दी थी। उन दोषियों को सजा में छूट के बाद पिछले साल 15 अगस्त को रिहा कर दिया गया था। इसके बाद भारी सार्वजनिक आक्रोश पैदा हुआ और इसे 'न्याय के साथ करूरता' करार दिया गया। बिलकिस ने दोषियों की सजा में छूट देने के सरकार के फैसले को 2022 के अगस्त में चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की थी। बिलकिस बानो के अलावा, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा, पूर्व सांसद और सीपीआई (एम) नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लौल और लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूप रेखा वर्मा ने भी फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

केजरीवाल ने मणिपुर के मामले में मोदी की चुप्पी पर उठाये सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मणिपुर के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि कम से कम उन्हें शांति की ही अपील करनी चाहिये थी।

श्री केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन मणिपुर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि मणिपुर में चार हजार घर जलाए गए, 60 हजार लोग बेघर हुए, डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई, तीन सौ से अधिक धार्मिक स्थल जलाए गए, असम राइफल और मणिपुर पुलिस के बीच गोलाबारी हुई लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक कह रहे हैं कि मणिपुर उनके लिए मायने नहीं रखता है

और विधानसभा छोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि जब एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ तब भी प्रधानमंत्री चुप रहे। वहीं मणिपुर के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वहां यह रोज हो रहा है। श्री केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री बेटियों के पिता के समान हैं। अगर बाप मुंह मोड़ ले, तो बेटियां कहां जाएंगी। श्री केजरीवाल ने कहा महिला पहलवानों में मामले के भी प्रधानमंत्री चुप होकर बैठ गए थे। पिछले 9 साल से चीन हमे आंख दिखा रहा है और प्रधानमंत्री चुप हैं, एक शब्द नहीं बोलते हैं। गलवान घाटी में चीन ने हमारे 20 जवान को शहीद कर दिया। दिल्ली से डेढ़ गुना इलाका चीन की सेना ने कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने कहा कि हिंदनबर्ग रिपोर्ट ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी। लाखों इन्वेस्टर्स का पैसा डूब गया। कम से कम एक ट्वीट करके यह कह देते कि जांच कराऊंगा और दोषियों को नहीं छोड़ूंगा, लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे। इन्होंने नीरव मोदी, मेहुल चौकसी और विजय माल्या को भगा दिया।

गुरुग्राम में ऑनर कीलिंग: लव मैरिज करने वाली युवती की हत्या कर शव जलाया

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में ऑनर कीलिंग का मामला सामने आया है। लव मैरिज करके अपने पति के साथ ससुराल में रह रही युवती को वहीं पर जाकर उसकी मां, बाप व भाई ने हत्या कर दी। फिर शव को अपने साथ ले जाकर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। इस घटनाक्रम के दौरान युवती का पति घर पर नहीं थी। यह घटना सेक्टर-102 स्थित रॉफ आलयाज सोसायटी की है। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार अंजलि (22) नामक युवती ने दिसम्बर 2022 में अपने ही गांव के रहने वाले संदीप से लव मैरिज की थी। संदीप गुरुग्राम में एक बार में बाउंसर की नौकरी करता है। उनकी शादी के बाद से ही युवती

के परिवार वाले नाराज थे। उनको अंजलि व संदीप की शादी मंजूर नहीं थी। रात को मौका पाकर युवती की मां, बाप व भाई गुरुग्राम में पहुंचे। वहीं पर युवती अपने पति के साथ रहती थी। जब वे सब फ्लैट में पहुंचे, उस समय संदीप घर पर नहीं था। किसी काम के धनकोट गांव के पास सेक्टर-102 स्थित रॉफ आलयाज सोसायटी के एफ-टावर के फ्लैट से बाहर गया था। घर के अंदर पहुंचते ही तीनों ने अंजलि को दबोचा और उसकी तुरंत ही हत्या कर दी। हत्या करने के बाद अंजलि के शव को अपने साथ झज्जर ले जाकर अंतिम संस्कार भी कर दिया। संदीप को इस घटना का जब पता चला तो वह घर पहुंचा। उसने धनकोट पुलिस चौकी में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए संदीप की सास, ससुर और साले को गिरफ्तार कर लिया। पता चला है कि अंजलि के भाई ने भी लव मैरिज की हुई है, लेकिन उन्हें अंजलि की लव मैरिज स्वीकार नहीं थी। इसलिए इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

पढ़े-लिखे उम्मीदवारों के लिए वोट की वकालत करने पर अनएकेडमी का शिक्षक बर्खास्त

नई दिल्ली। शिक्षित उम्मीदवारों को वोट देने के लिए कहकर चर्चा में आए शिक्षक को एडटेक प्लेटफॉर्म अनएकेडमी ने बर्खास्त कर दिया। अनएकेडमी के कानूनी संकाय करण सांगवान ने संसद में पेश आईपीसी, सीआरपीसी से संबंधित बिलों पर सवाल उठाए। एक वीडियो में शिक्षक ने अपने छात्रों से अगली बार शिक्षित उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। इस अपील के बाद अनएकेडमी ने शिक्षक को यह कहते हुए बर्खास्त कर दिया कि कक्षा व्यक्तिगत राय और विचार साझा करने के लिए सही जगह नहीं है। अनएकेडमी ग्रुप के सह-संस्थापक रोमन सैनी ने कहा, हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में हमारे शिक्षार्थी होते हैं। कक्षा व्यक्तिगत राय और

विचार साझा करने की जगह नहीं है, क्योंकि वे उन्हें गलत तरीके से प्रभावित कर सकते हैं। करण सांगवान से आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे थे।ऐसी स्थिति में हम उन?हें हटाने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने यह भी कहा, ÷हम एक शिक्षा मंच हैं, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसा करने के लिए हमने अपने सभी शिक्षकों के लिए एक सख्त आचार संहिता लागू की है, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे शिक्षार्थियों को निष्पक्ष ज्ञान तक पहुंच प्राप्त हो। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शिक्षक को बर्खास्त करने के कदम पर आपत्ति जताई और कहा कि क्या लोगों से शिक्षित व्यक्ति के लिए वोट मांगना अपराध है। अनएकेडमी के सह-संस्थापक रोमन सैनी ने कहा कि सांगवान ने अनुबंध का उल्लंघन किया है, इसलिए कंपनी को उनसे अलग होना पड़ा। सैनी ने कहा कि शिक्षार्थियों को निष्पक्ष ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से सभी शिक्षकों के लिए सख्त आचार संहिता हैं।

नफरती भाषण, वीडियो बंद करने का निर्देश देने की 101 महिला अधिवक्ताओं की गुहार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय महिला लॉयर्स फोरम ने नूंह हिंसा के बाद भय का माहौल पैदा कर रहे नफरती भाषण और वीडियो पर प्रतिबंध लगाने के लिए हरियाणा सरकार को निर्देश देने की उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ से गुहार लगाई है। महिला अधिवक्ताओं ने एक पत्र याचिका के माध्यम से हरियाणा सरकार को नफरत फैलाने वाले वीडियो को चिन्हित कर संबंधित लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश देने की गुहार लगाई है। याचिका पर 101 महिला अधिवक्ताओं के हस्ताक्षर हैं, जिसमें उन वीडियो को चिन्हित करने और प्रतिबंध लगाने की गुहार लगाई गई है। ऐसे वीडियो पर प्रतिबंध लगाने की गुहार लगाई गई है जो कथित तौर पर किसी भी समुदाय, पूजा स्थलों को नुकसान पहुंचाने या आर्थिक बहिष्कार का आग्रह करने की धमकी देते हैं। याचिका में कहा गया है कि उन्होंने महिला, मां और न्यायालय के कामकाज से जुड़े होने के नाते हम सांप्रदायिक सद्भाव, कानून के शासन और जिम्मेदारी की भावना के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता महसूस करते हैं।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को प्रेषित पत्र में कहा गया है कि हरियाणा के नूंह क्षेत्र में हुई हालिया घटनाओं के मद्देनजर सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले भाषण और लक्षित हिंसा भड़काने वाले वीडियो सामने आने से गंभीर चिंता पैदा हो गई है, जो समाज में शांति और सद्भाव को बाधित कर रहे हैं। महिला वकीलों ने अपनी पत्र याचिका में कहा, हम, दिल्ली और गुड़गांव में रहने वाले कानूनी समुदाय और दिल्ली उच्च न्यायालय महिला वकील फोरम के सदस्यों के रूप में इस पत्र याचिका के माध्यम से आपके संज्ञान में इस तथ्य को लाने के लिए आपके आधिपत्य से संपर्क किया है कि नफरत भरे भाषण वाले वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। याचिका में उच्चतम न्यायालय की ओर से बार-बार जारी किए गए निर्देशों का उल्लंघन करते हुए नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकने के लिए निर्देश देने की गुहार लगाई गई है। याचिका में 'शाहीन अब्दुल्ला बनाम भारत सरकार' मामले में 11 अगस्त 2023 को शीर्ष अदालत की टिप्पणियों का हवाला दिया गया है कि समुदायों के बीच सद्भाव और सौहार्द होना चाहिए और नूंह में हाल की सांप्रदायिक हिंसा के बाद मुस्लिम समुदाय का बहिष्कार करने का आह्वान 'अस्वीकार्य' था। याचिका में 'तहसीन एस पूनावाला बनाम भारत सरकार और अन्य (2018)' मामले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोड़ दिया है कि भीड़ की बढ़ती हिंसा को सरकारों को सख्त कार्रवाई करके रोकना होगा। असहिष्णुता और भीड़ हिंसा की घटनाओं के माध्यम से व्यक्त बढ़ते ध्रुवीकरण को देश में जीवन का सामान्य तरीका या कानून और व्यवस्था की सामान्य स्थिति बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। याचिका में अक्टूबर 2022 और अप्रैल 2023 में जारी किए गए शीर्ष अदालत के निर्देशों का भी जिक्र किया गया है, जिसमें नफरत फैलाने वाले भाषण के अपराधों से जुड़े मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तत्काल स्वतः कार्रवाई को अनिवार्य किया गया था।

गलगोटियास विश्वविद्यालय में अनुसंधान के क्षेत्र में बहुवैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुप्रयोगों को प्राप्त करने के लिये

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। गलगोटिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस ने एक पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) सह कार्यशाला का आयोजन किया। एफडीपी सह कार्यशाला का उद्देश्य शैक्षिक विशेषज्ञों औद्योगिक पेशेवरों, शिक्षक सदस्यों के लिए उनके अनुसंधान में बहुवैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुप्रयोगों को एक मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-दिल्ली) के प्रोफेसर डा० एस० एन० नायक मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे। इस समारोह का उद्घाटन गलगोटियास विश्वविद्यालय के वॉइस चॉसलर डा० के० मल्लिकार्जुन बाबू ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उनके साथ में प्रो० वॉइस चॉसलर डा० अवधेश कुमार, चॉसलर के सलाहकार डा० रेनु लूथरा, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा० नितिन गौड, डा० राजेन्द्र सिंह, डा० अरविंद कुमार जैन, डा० संजीव कुमार सिंह और अन्य स्कूलों के डीन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में लगभग 250 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी जिसमें भारत सहित यू० एस०, सॉऊथ कोरिया, नीदरलैंड जैसे देशों के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डा० के० मल्लिकार्जुन बाबू ने कहा कि हम सभी को साथ मिलकर नये से नये क्षेत्रों में अविष्कार करके अपने राष्ट्र और अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन करना होगा। विश्वविद्यालय के चॉसलर सलाहकार डा० रेनु लूथरा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को रिसर्च के महत्व के बारे में बताया और कहा कि विद्यार्थियों के अन्दर नये से नये रिसर्च के बारे में जिज्ञासा होनी चाहिए। तभी वो नये से नये कीर्तिमानों की स्थापना कर सकेंगे। गलगोटियास विश्वविद्यालय के चॉसलर सुनील गलगोटिया ने कहा कि अनुसंधान विषय पर आधारित यह फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम एक उच्च आवश्यकता है, क्योंकि आज की दुनिया में संकाय शिक्षक, शोधकर्ता, सलाहकार, संरक्षक और आने वाली पीढ़ी के लिए एक आदर्श भूमिका निभाते हैं।गलगोटियास विश्वविद्यालय के सीईओ डा० ध्रुव गलगोटिया ने प्रतिभागियों को प्रसिद्ध वक्ताओं से ज्ञान प्राप्त करने के लिए कहा और नयी से नयी रिसर्च करने के लिये प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डा० दीपक गुप्ता, डा० मिलान सिंह, प्रो० ललित प्रशाद की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रो० दिवाकर चौहान, प्रो० प्रभाकर सिंह, प्रो० अँजलि गुप्ता, प्रो० दिव्या वाजपेयी, प्रो० विशाल सिंह, प्रो० श्याम के कुंडू, प्रो० सुभा लक्ष्मी और प्रोफेसर मुकेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। आज के मुख्य वक्ताओं में वनस्थली विद्यापीठ जयपुर से डा० आकाँक्षा, यूपीईस देहरादून से डा० श्रवेन्द्र राणा और नौएडा से डा० वनिता गर्ग ने अपने अलग अलग विषयों पर अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

भा. कि. यू. अंबावता संगठन के कार्यकताओं ने दादरी, रेलवे रोड, चौकी प्रभारी को किया सम्मानित

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । भारतीय किसान यूनियन अंबावता संगठन के कार्यकताओं ने नवनियुक्त रेलवे रोड चौकी प्रभारी रितेश कुमार को पेन डायरी पगड़ी बांधकर मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जिसमें किसान नेता राजकुमार रूपवास अंबावता संगठन के दादरी तहसील अध्यक्ष ने बताया कि इससे पहले रेलवे रोड चौकी इंचार्ज दिनेश मलिक थे वह भी पारिवारिक इंसान थे लोगों की समस्याओं का समाधान करने में उनकी सबसे पहली प्राथमिकता थी उनके जाने के बाद रितेश कुमार वर्तमान में चौकी प्रभारी भी बहुत ही नेक इंसान है उन्होंने भी दादरी कस्बा इंचार्ज रहते हुए लोगों की समस्या का समाधान किया वह भी बहुत ही नेक इंसान है जिसमें नगर अध्यक्ष दादरी मनोज भाटी का कहना है कि किसने की समस्याओं एवं गरीब पर शहर मजदूर के बारे में अवगत कराया चौकी इंचार्ज को जिसमें रेलवे रोड चौकी इंचार्ज रितेश कुमार जी का कहना है कि मैं किसी भी गरीब बेसहारा किसान भाइयों के साथ कोई भी किसी भी प्रकार की समस्या पैदा नहीं होने दूंगा जितना भी मुझसे होगा हर संभव मदद करने की पूरी कोशिश करूंगा यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं बधाई देने के दौरान मनोज भाटी पाली नगर अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपवास तहसील अध्यक्ष दादरी सुरेश प्रधान तहसील संयोजक दादरी अशोक भाटी बबलू खटाना विनय चौधरी आदि मौजूद थे।

ग्राम उकावली के किसानों की तहसील बुढाना में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

संवाददाता

मुजफ्फरनगर। तहसील बुढाना मुजफ्फरनगर के ग्राम उकावली के किसानों ने तहसील प्रांगण में अनिशिचत कालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है किसानों का कहना है कि हमारे गांव उकावली में चकबंदी प्रक्रिया प्रारंभ की जाए । ग्राम के कुछ लोग .जिन्होंने चकबंदी विभाग के ए सी ओ के साथ सांठ गांठ करके चकबंदी प्रक्रिया बंद करा दी है चकबंदी ना होने से .नालियां रास्ते तथा बड़े-बड़े खाते बन गए हैं । एक-एक भू खाते में सौ सौ नाम है । अगर चकबंदी प्रक्रिया प्रारंभ ना की गई तो उससे हमें बहुत नुकसान हो रहा है किसानो की एक मांग यह भी है कि बजाज शुगर मिल बुढ़ाना हमारा गन्ना भुगतान नहीं कर रहा है । भूख हड़ताल पर बैठे जनार्दन त्यागी देवेंद्र त्यागी ने बताया कि जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती तब तक हम अपना अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का कार्यक्रम वापस नहीं लेंगे हम बहुत दुखी और परेशान हो चुके हैं '' प्रशासन को हमारी मांग जल्दी मान लेनी चाहिए भूख हड़ताल पर बैठने वालों में सीयानन्द त्यागी अनुज त्यागी कौशल त्यागी योगिंदर त्यागी विद्यानंद त्यागी. ईश्वर त्यागी कुलदीप त्यागी सुबोध त्यागी नरेंद्र अनुज आदि रहे । यह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का धरना प्रोग्राम किसान मजदूर संगठन के नेतृत्व में श्री कृष्ण कुमार राणा के नेतृत्व में किया जा रहा है ।

महिला डॉक्टर से 8.79 लाख की ठगी

संवाददाता

नोएडा। घर बैठे पार्ट टाइम नौकरी कर हर माह लाखों रुपए कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाज ने एक महिला डॉक्टर से 8.79 लाख रुपए की ठगी कर ली। निवेश पर मुनाफा होने की बात कहकर जालसाज ने खाते में रकम ट्रांसफर कराई। पीड़िता की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की टीम ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-39 की डॉ. निदा चौधरी ने बताया कि बीते दिनों उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से वॉट्सऐप पर मैसेज आया जिसमें पार्ट टाइम नौकरी कर लाखों रुपए कमाने की बात कही गई। मैसेज में दिए गए नंबर पर कॉल करने पर फोन उठाने वाले जालसाज ने महिला डॉक्टर को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया और पहले उन्हें यूट्यूब वीडियो को लाइक करने का काम दिया। इसके बदले में बतौर मुनाफा मामूली रकम जालसाज ने महिला के खाते में ट्रांसफर कर विश्वास जीता। प्रीपेड टास्क के बहाने महिला से कई बार में कुल आठ लाख 79 हजार दो रुपए निवेश कराए गए। जब महिला पर और रकम निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा तो उसे ठगी की आशंका हुई और उसने अपनी रकम खाते से निकालनी चाही पर वह निकली नहीं। जानकारी करने पर पता चला कि मुनाफे की रकम सिर्फ संबंधित वेबसाइट पर दिख रही थी खाते में नहीं।

भाजपा- आरएसएस हटाओ, महिला बचाओ, देश बचाओ नारे के साथ एडवा का राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में हुआ संपन्न

संवाददाता

नोएडा। देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा, महंगाई, बेरोजगारी, सरकार की महिला विरोधी, कारपोरेट समर्थक, मनुवादी और सांप्रदायिक नीतियों व नफरत की राजनीति के खिलाफ एवं गारंटीशुदा जीने के अधिकार, स्वतंत्रता और समानता के अधिकार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने सहित महिलाओं की गई मांगो/ मुद्दों समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने नई दिल्ली सुरजीत भवन में राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया।सम्मेलन को महिलाओं की राष्ट्रीय नेता पूर्व सांसद कामरेड वृंदा करात, सुभाषणी अली व राम परी, आशा शर्मा, मेमुना मौला, सहित दर्जनों महिला नेताओं ने संबोधित करते हुए महिलाओं पर हो रहे उत्पीड़न व सरकार की जन विरोधी, महिला विरोधी, नीतियों को रेखांकित किया।सम्मेलन में नोएडा व ग्रेटर नोएडा से जनवादी महिला समिति की नेता आशा यादव, रेखा चौहान, चंदा बेगम, लता सिंह, गुड़िया देवी, भारती गुप्ता, पिंकी, राखी, मनीषा, किरण देवी, तिलक देवी, वंदना सिंह आदि के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में अन्य मुद्दों के साथ भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों की स्थिति एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर पिछले 3 महीने से किसान सभा के बैनर तले चल रहे धरने/ आंदोलन में महिलाओं की भूमिका को भी महिला किसान नेता तिलक देवी वंदना सिंह ने प्रमुखता से रखा। सम्मेलन में 5 अक्टूबर 2023 को दिल्ली में बड़ी राष्ट्रीय रैली का आयोजन करने और भाजपा- आरएसएस हटाओ, महिला बचाओ, देश बचाओ नारे के साथ सम्मेलन संपन्न हुआ।

मकान में दरार, दहशत में हुई पड़ोसी की मौत

संवाददाता

नोएडा। पर्थला गांव में नियमों को ताक पर रखकर मकान का निर्माण किया जा रहा था। चार मंजिल का काम पूरा हो चुका था और अब पांचवी मंजिल का काम चल रहा था। इससे पड़ोस के मकान में दरार आ गई। ये देखकर पड़ोसी दहशत में आ गया और उसकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान राजाराम निवासी धर्मा सिंह हुई है। गुस्साए ग्रामीणों ने राजा राम के शव को पर्थला सिग्नेचर ब्रिज पर रखकर यातायात को जाम कर दिया। ब्रिज के एंट्री पाइंट पर डंडा लगाकर आवाजाही को रोक दिया। ग्रामीणों का आरोप है लगातार पुलिस चौकी और प्राधिकरण से शिकायत करने के बाद भी उनकी नहीं सुनी गई। मौके पर एडीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी समेत अन्य पुलिस अधिकारी पहुंचे। उन्होंने स्थित को नियंत्रण में करते हुए ग्रामीणों की बात को सुना और रास्ते को खुलवा दिया। एडीसीपी ने बताया कि ये मामला दो पड़ोसियों के विवाद से संबंधित है। मृतक परिवार के परिजनों की ओर से पहले ही शिकायत दी गई थी। जिसमें मुकदमा पंजीकृत कर दूसरे पक्ष के आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पर्थला में सतीश पुत्र हरीश चंद्रा अपना मकान बना रहे है। उन्होंने चार मंजिला का मकान बनाया है उसके बाद वे पांचवी मंजिल बना रहे है। इस वजह से आसपास के करीब तीन से चार मकानों में दरारें आने लगी है। राजा राम का मकान सतीश के मकान के बगल में है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके मकान में भी दरार है। उन्होंने सतीश से कई बार मकान का निर्माण बंद करने की गुजारिश की थी। इस बात को लेकर वे पर्थला चौकी भी गए। साथ ही प्राधिकरण में भी उन्होंने शिकायत दी। प्राधिकरण की ओर से काम रूकवाने के लिए आर्डर भी दिया गया। लेकिन काम को नहीं रोका गया। ऐसे में अपना मकान गिरता देख राजाराम डर गए और उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। जिसके गुस्साए ग्रामीणों ने दोपहर करीब 12 बजे के आसपास ब्रिज पर शव रखकर जाम लगा दिया। एडीसीपी ने शक्ति मोहन अवस्थी व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उनसे कहा कि अब तक इस मामले में कोई एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। आश्वासन दिया गया कि एफआईआर लिखी जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने करोड़ों रुपए का मुआवजा ग्राम रामपुर बांगर में किया वितरित

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औ०वि० प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा दिये गये दिशा निदेर्शों के क्रम में ग्राम रामपुर बांगर में प्राधिकरण द्वारा कैम्प लगाकर 33 किसानों को कुल अतिरिक्त मुआवजा की मद में 6,90,40,287 /- रुपए का भुगतान किया गया। ग्राम में कैम्प लगाकर अतिरिक्त मुआवजा वितरण का कार्यक्रम जारी रहेगा तथा ग्राम रामपुर बांगर के अधिग्रहण से प्रभावित अन्य सभी किसानों से निवेदन है कि अपने अतिरिक्त मुआवजा से संबंधित कागजात यथाशीघ्र प्राधिकरण कार्यालय के सी.आर. सैल के माध्यम से भूलेख विभाग को उपलब्ध करा दें ताकि अवशेष सभी किसानों को अतिरिक्त मुआवजा का भुगतान यथाशीघ्र समय से किया जा सके। कैम्प में मुआवजा वितरण के समय डिप्टी कलेक्टर रेणुका दीक्षित, नायब तहसीलदार पंकज बरतरिया व संजय कुमार समेत भूलेख विभाग व परियोजना विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जीपीए की शिकायत पर बाल आयोग ने सीबीएसई को दिए जांच के आदेश

संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा निःशुल्क एवम अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(सी) के अंतर्गत चयनित बच्चों के दाखिले स्कूलो में कराने के लिए भरकस प्रयास किये जा रहे है जहां इस वर्ष जीपीए द्वारा प्रयास किये जा रहे है कि आरटीई के बच्चों के शत प्रतिशत दाखिले निजी स्कूलों में सुनिश्चित किये जायें वही पिछले वर्ष लगभग 1800 बच्चों को निजी स्कूलों द्वारा दाखिले नही दिए जाने पर जीपीए द्वारा कार्यवाई के लिए प्रयास किए जा रहे है गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव अनिल सिंह ने बताया कि गाजियाबाद के जिलाधिकारी द्वारा शिक्षा सत्र 2022-23 में आरटीई के दाखिले नही लेने वाले 8 बड़े स्कूल जिनके नाम डीपीएस पब्लिक स्कूल ,मेरठ रोड , डीपीएसजी इंटरनेशनल स्कूल , मिशल गढ़ी , जी .डी गोयनका पब्लिक स्कूल , राजनगर एक्सटेंशन , सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल , वसुंधरा , देहरादून पब्लिक स्कूल , गोविंदपुरम , सुंदरदीप वर्ल्ड स्कूल , डासना रोड , सी.पी.ए पब्लिक स्कूल , स्वर्णजयंतीपुराम , ब्राइटलैंड पब्लिक स्कूल , गोविंदपुरम है पर कार्यवाई के लिये 3-12-2022 को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली को पत्र लिखा गया था लेकिन पत्र के लगभग 8 महीने बीत जाने के बाद भी सीबीएसई द्वारा कोई कार्यवाई नही की गई और ना ही जिलाधिकारी कार्यलय द्वारा सीबीएसई को दुबारा पत्र लिखकर जबाब मांगा गया जिससे ऐसा लगता है कि जिलाधिकारी द्वारा कार्यवाई के लिए पत्र केवल औपचारिकता के लिए लिखा गया था क्योकि इस पत्र को जिलाधिकारी कार्यलय द्वारा ना तो मीडिया में ही दिया गया और ना ही पेरेंट्स के लिए सार्जवनिक किया गया लेकिन जीपीए ने लगभग 5 महीने प्रयास करके इस पत्र को जिला बेसिक शिक्षा कार्यलय से प्राप्त किया और उसके बाद सीबीएसई की शिकायत करते हुये राष्ट्रीय बाल अधिकार सरक्षंण आयोग को पत्र लिखा जिस पर शिकायत का सज्ञान लेते हुये केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के आयुक्त को 10 दिन के अंदर जांच करने के आदेश दिए है गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन को उम्मीद है कि बाल आयोग की सख्ती से आरटीई के दाखिले नही लेने वाले स्कूलो पर कार्यवाई हो सकेगी और बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित नही होंगे।

इको विलेज वन सोसाइटी में बीच में रुकी लिफ्ट

ग्रेटर नोएडा । लिफ्ट में लोगों के फंसने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इको विलेज वन सोसाइटी में फिर एक लिफ्ट फंस गई। जहां एक लिफ्ट अचानक से झटका लगने के बाद बीच में रुक गई। इस दौरान लिफ्ट में करीब 6 लोग सवार थे और वह करीब आधा घंटे तक लिफ्ट में ही फंसे रहे। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इको विलेज वन सोसाइटी में रहने वाले अरुण गुप्ता ने बताया कि गुरुवार शाम को सोसाइटी के अ 2 टावर की लिफ्ट अचानक से झटका लगने के बाद रुक गई। उन्होंने बताया कि लिफ्ट में करीब 5 से 6 लोग सवार थे, तभी लिफ्ट में अचानक से झटका लगा और लिफ्ट तेजी से नीचे की तरफ चली गई और बेसमेंट और ग्राउंड के बीच में यह लिफ्ट रुक गई। इस दौरान लिफ्ट में मौजूद सभी लोग लिफ्ट के अंदर ही फंस गए। अरुण गुप्ता ने बताया कि लिफ्ट में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाहर निकल गया। सभी करीब आधे घंटे तक लिफ्ट में फंसे रहे। लिफ्ट का आधा हिस्सा नीचे था और आधा ऊपर। इस दौरान लिफ्ट में कई महिलाएं भी फंसी हुई थीं। इस घटना के बाद सोसाइटी के लोगों में काफी गुस्सा देखने को मिला।

जनवादी महिला समिति द्वारा दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में

प्रमुखता से उठाया गया ग्रेटर नोएडा के किसानों का मुद्दा

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। धरने के 92 वें दिन प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने का प्रस्ताव पास किया गया- सर्किल रेट के रिवीजन पर एडीएम फाइनेंस के नेतृत्व में बनी कमेटी में किसान सभा ने रखा अपना पक्ष- आज धरने के 92 वें दिन धरने की अध्यक्षता ब्रह्म सिंह नंबरदार इटेड़ा ने की और संचालन सतीश यादव ने किया धरने को किसान सभा के प्रवक्ता डॉ रुपेश वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि प्राधिकरण में भ्रष्टाचार व्याप्त है यह बात सभी जानते हैं प्राधिकरण के कर्मचारी और अधिकारी किसानों से भी रिश्वत मांगते हैं और उनका बुरी तरह शोषण करते हैं प्राधिकरण के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी से हमें पूरी आशा है कि वह प्राधिकरण में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने का काम करेंगे और दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे इस संबंध में डॉ रुपेश वर्मा ने धरने पर उपस्थित सैकड़ों किसानों के समक्ष भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने के प्रस्ताव को रखा जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पास किया डॉ रुपेश वर्मा ने सभा में सभी को आगाह करते हुए कहा कि दलालों से सावधान रहें दामों में दलाल सक्रिय हो गए हैं वह आपको ठगने का काम कर सकते हैं इसलिए किसी को भी एक पैसा ना दें। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की 10% आबादी प्लाट 40 वर्ग मीटर का भूमिहीनों का प्लाट नए कानून के अनुसार सर्कल रेट का 4 गुना मुआवजा एवं पुनर्वास के अंतर्गत 20% विकसित प्लाट और परिवार के प्रत्येक बालिग सदस्य को अनिवार्य रोजगार की मांग के लिए आंदोलन लगातार आज 92 वें दिन भी चल रहा है किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है प्राधिकरण के अधिकारियों से भी लगातार मुद्दों पर चर्चा चल रही है प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का रुख समस्याओं को लेकर पॉजिटिव है माननीय सांसद सुरेंद्र नागर और माननीय विधायक धीरेंद्र सिंह को साथ लेकर प्राधिकरण के अधिकारियों से बातचीत प्रस्तावित है जिसके शीघ्र ही संपन्न होने की संभावना है तब तक आंदोलन शांतिपूर्ण चलता रहेगा किसान सभा के सचिव जगबीर नंबरदार ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि आंदोलन मुद्दों पर आरपार के मकसद से शुरू किया गया था आंदोलन के प्राधिकरण स्तर के मुद्दों को हल करने पर सहमति बन गई है कुछ मुद्दों पर कार्रवाई हो गई है कुछ पर कार्रवाई प्रगति में है और कुछ पर कार्रवाई अभी लंबित है सभी मुद्दों को हल करके ही धरना समाप्त होगा धरने में हर रोज हजारों की संख्या में किसान शामिल हो रहे हैं किसान आंदोलन जन आंदोलन के रूप में विकसित हो गया है सरकार को समस्याएं हल करने होंगे अन्यथा सरकार को इसकी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी किसान सभा के उपाध्यक्ष ब्रह्मपाल सूबेदार ने कहा की गौतम बुद्ध नगर के किसानों का भयंकर शोषण किया गया है उन्हें कानूनी लाभों से वंचित किया गया है समझौता का उल्लंघन कर उनकी हकमारी की गई है किसानों में भारी आक्रोश है किसान अपने आप को उपेक्षित और उत्पीड़ित मानते हैं इसलिए धरने में हजारों की संख्या में किसान उपस्थित हो रहे हैं सरकार और प्राधिकरण के पास समस्याओं को हल करने के अलावा कोई चारा नहीं है। जय जवान जय किसान आंदोलन के नेता सुनील फौजी ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि नए कानून को लागू कराने के प्रति धरना प्रदर्शन प्रतिबद्ध है इस हेतु किसान आंदोलन का प्रतिनिधिमंडल एडीएम फाइनेंस के यहां सर्किल रेट के रिवीजन के लिए आयोजित बैठक में हिस्सा लेकर अपनी बात रखेगा। आज धरना स्थल से ऑल इंडिया जनवादी महिला समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में सुरजीत भवन नई दिल्ली पर भाग लेने के लिए किसान सभा की ओर से तिलक देवी पूनम भाटी जोगेंद्रीं, गीता भाटी रीना, सविता, पिंकी आदि दर्जनों महिलाएं भाग लेने पहुंची और सम्मेलन में ग्रेटर नोएडा की महिला किसान नेता वंदना सिंह व तिलक देवी ने भूमि अधिग्रहण से प्रभावित और किसानों के विभिन्न मुद्दों/ समस्याओं को रेखांकित किया साथ उन्होंने यह भी बताया कि पिछले तीन माह से लगातार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर धरना चल रहा है और धरने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सम्मेलन में नोएडा से सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा व जनवादी महिला समिति की नेता आशा यादव चंदा बेगम रेखा चौहान गुड़िया देवी किरण देवी भारती गुप्ता लता सिंह के नेतृत्व में कई दर्जन महिलाओं ने हिस्सा लिया। आज धरने पर राजवीर सिंह भाटी और सतीश यादव ने क्रांतिकारी गीत और रागनी पेश की आज धरने पर सुशांत भाटी प्रशांत भाटी नरेंद्र भाटी जिला अध्यक्ष, किसान सभा, मोनू मुखिया, श्याम सिंह भाटी प्रधान पाली, यतेंद्र मैनेजर, बीरन भाटी मायचा, प्रीतम सिंह नागर, लाला नागर, सत्येंद्र , हरेंद्र, निरंकार प्रधान, निशांत रावल, गवरी मुखिया, सुरेश यादव, प्रवीण त्यागी ज्ञान प्रकाश त्यागी, ओमवीर त्यागी, भारत सिंह प्रधान, राजीव नागर, जयकरण सिंह भाटी, देवेंद्र भाटी, संजय भाटी, राजू पल्ला, अजी पाल भाटी महेश प्रजापति शेखर प्रजापति, राजवीरी जोगेंदरी प्रेमवती और हजारों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

वीर शहीदों के बलिदान को देश युगों-युगों तक याद रखेगा : सुषमा वर्मा

करनाल। इनरव्हील क्लब ऑफ करनाल उदय संस्था द्वारा अपना आशियाना आश्रम में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब की प्रधान सुषमा वर्मा ने की। इस अवसर पर इनरव्हील क्लब ऑफ करनाल उदय द्वारा आश्रम में लोगों को चादर व खाद्य पदार्थ सहित अन्य जरूरत का सामान व एक व्हील चेयर भेंट की। इस मौके पर क्लब की प्रधान सुषमा वर्मा ने सभी को आजादी के पर्व स्वतंत्रता दिवस की बधाई एंव शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश को आजादी इतनी आसानी से नहीं मिली। देश की आजादी के लिए लाखों वीरों ने अपना बलिदान देना पड़ा। काफी संघर्ष व बलिदान के बाद देश को आजादी मिली है। वीरों के त्याग व बलिदान के कारण आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे है। वीर शहीदों के बलिदान को देश युगों-युगों तक याद रखेगा। सुषमा वर्मा ने संदेश देते हुए कहा कि हमें देशभक्तों व वीर शहीदों के दिखाए गए मार्ग पर चलकर देशहित में कार्य करना चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य लोगों की हर संभव मदद करना है। अपना आशियाना आश्रम में रहने वाले लोगों की मदद के लिए सभी को हाथ बढ़ाने चाहिए। आश्रम की टीम सेवा कार्यों के लिए बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि इसी आश्रम में वृद्ध आश्रम बनाया जा रहा है। उसमें भगवान गणपति, भगवान शिव और माता रानी की प्रतिमा क्लब की ओर से स्थापित करवाई जाएगी। इस अवसर पर आईएसओ कुसूम नंदा, सुषमा वधवा, शोभा लाठर, पूजा चुग, अनु मदान व रेखा सहित आदि मौजूद रहे।

2019 विधानसभा चुनाव से ठीक पूर्व जिस तरह भाजपा खट्टर सरकार ने कुछ अवैध कालोनियों को नियमित करने की नौटंकी की-विद्रोही

रेवाड़ी। स्वयंसेवी संस्था ग्रामीण भारत के अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही ने आरोप लगाया कि 2019 विधानसभा चुनाव से ठीक पूर्व जिस तरह भाजपा खट्टर सरकार ने कुछ अवैध कालोनियों को नियमित करने की नौटंकी की थी, उसी तर्ज पर 2024 चुनावों से पूर्व 450 अवैध कालोनियों को नियमित करने का लालीपोप देकर मतदाताओं की वोट हडपने का कुप्रयास किया जा रहा है। विद्रोही ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री खट्टर व भाजपा के पहले कार्यकाल में जिन अवैध कालोनियों को नियमित किया था, क्या उन कालोनियों में नागरिक सुविधाओं का सीवर, पानी, सडक़, नालिया आदि का आभारभूत ढांचा विकसित हुआ या नही और नही तो क्यों नही हुआ? सवाल उठता है कि पुरानी नियमित की गई कालोनियों में ही जब अभी तक नागरिक सुविधाओं का ढांचा भाजपा सरकार निर्मित नही कर पाई है तो हाल में नियमित की गई 450 अवैध कालोनियों में नागरिक सुविधाओं का आधारभूत ढांचा क्या खाक बनेगा। वहीं 450 कालोनियों के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने जो 500 करोड़ रूपये की घोषणा की है, उसके अनुसार भी एक कालोनी के हिस्से में विकास के नाम पर लगभग एक करोड़ रूपये आयेगा। एक करोड़ रूपये में किसी कालोनी का कितना और कैसा विकास होगा, बताना भी बेमानी है।

विद्रोही ने कहा कि नियमित की गई कालोनियों के निवासियों से कलैक्टर रेट का 5 से 8 प्रतिशत हिस्सा विकास शुल्क के नाम पर भाजपा सरकार मोटा पैसा तो ऐंठ लेगी, पर नागरिक सुविधा देने की अपनी जवाबदेही से भाग जायेगी। जब सरकार नगर निकाय क्षेत्र की मौहल्लों में भी नागरिक सुविधाओं के ढांचे सीवर, सडक़, नालियों के निर्माण पर विगत चार सालों में एक रूपया तक नही लगा पाई है तो सहज अनुमान लगा ले कि नियमित की गई अवैध कालोनियों में कैसा विकास होगा? विद्रोही ने आरोप लगाया कि उनके खुद का शहर रेवाडी की नागरिक सुविधाऐं अत्यंत जर्जर है। सीवर, नालिया ओवरफ्लो है, इनकी मरम्मत होना तो दूर सफाई तक नही होती। शहर के मौहल्लो की सडक़े गड्ढों से अटी पडी है। मौहल्लों की बात छोडिये, हुडा सैक्टरों की सडक़ों की हालत ऐसी है कि पता नही गडडें में सडक़ है या सडक़ में गड्ढे। विगत चार साल से मौहल्लों व सैक्टरों की सडकों की मरम्मत के नाम पर एक रोडी तक नही लगी। रेवाडी नगर परिषद में न तो कोई स्थायी कार्यकारी अधिकारी है और न ही कार्यकारी अभियन्ता। इस कारण विकास पोर्टल खुलता ही नही। जब विकास पोर्टल ही बंद पडा हो तो विकास कार्य क्या आसमान में होगा। भाजपा खट्टर सरकार शहर हो या गांव, विकास व नागरिक सुविधाओं के नाम पर पूरे हरियाणा में आमजनों को ठग रही है और जमीन पर कुछ नही हो रहा। केवल जुमलेबाजी, दावों से हरियाणावासियों को ठगा जा रहा है।

निगम एसडीओ ने ग्रामीणों के खिलाफ थाने में दी शिकायत

कलायत। बिजली निगम एसडीओ ने गांव दुब्बल के ग्रामीणों के खिलाफ ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी के साथ हाथापाई, गाली गलौच व ड्यूटी में बाधा पहुंचाने की लिखित शिकायत कलायत थाना में दी है। पुलिस को दी शिकायत में एसडीओ अंकित कुमार ने बताया कि 16 अगस्त को शिफ्ट अटेंडेंट विष्णु गांव कुराड़ स्थित 33 केवी सब स्टेशन पर ड्यूटी कर रहा था। रात्रि करीब पौने एक बजे एबीटी सैल से कट आया हुआ था व वीरेंद्र लाइनमैन द्वारा गांव खेड़ी लांबा डीएस पर परमिट लिया गया था। इस दौरान दुब्बल गांव से करीब 20 से 30 व्यक्ति पॉवर हाउस में आए और उन्होंने सप्लाई कट के विषय को लेकर शिफ्ट अटेंडेंट विष्णु के साथ गाली-गलौच करना शुरू कर दिया और साथ में उपमंडल अधिकारी को भी गाली देने लगे। इस दौरान शिफ्ट अटेंडेंट विष्णु बार-बार सप्लाई कट के बारे में जानकारी देता रहा, मगर उन्होंने भीड़ में शामिल लोगों ने एक नहीं सुनी और जबरदस्ती खेड़ी लांबा डीएस की वीसीबी ऑन (चालू) करने लगे। जब विष्णु ने उन्हें रोका तो वे विष्णु के साथ हाथापाई करने लगे और पॉवर हाउस में आग लगाने व जान से मारने की धमकी देने लगे। थाना प्रभारी रोहताश कुमार ने बताया कि बिजली निगम एसडीओ अंकित कुमार की तरफ से गांव दुब्बल के ग्रामीणों द्वारा बिजली कर्मचारी विष्णु के साथ मारपीट करने की शिकायत मिली है। गहनता से पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बिजली के ऐसे मीटर लगाएंगे जिनका बिल 500 से ज्यादा नहीं आएगा

बाबैन। परिवर्तन पदयात्रा के तहत इनेलो नेता अभय चौटाला ने क्षेत्र के कई गांवों को दौरा किया। उन्होंने गांव ईशरहेड़ी, सुरजगढ़ में जनसभा को भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर अभय चौटाला ने कहा कि बजरंग दल और गौ रक्षक गौ तस्करी की आड़ में लोगों को लूटते हैं। इनेलो की सरकार बनने पर इनके खिलाफ सख्ती से पेश आएंगे। अभय चौटाला की पद यात्रा में इनेलो व बड़शामी परिवार का प्रभाव उबर कर सामने आया है। लाडवा में अभय चौटाला का स्वागत किया गया और बड़शामी परिवार पर विश्वास जताते हुए अनेक लोगों ने अन्य पार्टियों छोड़कर इनेलो पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि आप सरकार बनाओ उसके बाद बिजली के ऐसे मीटर लगाएंगे जिनका बिल 500 रूपए से ज्यादा नहीं आएगा। इनेलो नेता अभय चौटाला ने कहा कि वे अब तक 3200 किमी से ज्यादा की पदयात्रा कर चुके हैं और 1500 से ज्यादा गांवों, कस्बों और शहरों में गए हैं। इस मौके पर सुनैना चौटाला, पूर्णचंद बड़शामी, गगन बड़शामी, बूटा सिंह लुखी, प्रधान सुरेश खैरी, जगदीप दुगारी, तरसेम सघौर, लाभ सिंह, प्रवीन शर्मा, रणबीर ईशरहेड़ी, लखमिन्द्र सिंह, गुरतार सिंह, सुरेश बापा, धर्मपाल ईशरहेड़ी, मजीत सघौर, धर्म सिंह, बलविन्द्र सिंह व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

लाडवा में अभय चौटाला का स्वागत किया गया और बड़शामी परिवार पर विश्वास जताते हुए अनेक लोगों ने अन्य पार्टियों छोड़कर

9 सितंबर 2023 को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामले लेः चंद्रशेखर

करनाल। सुश्री जसबीरए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिवए जिला विधिक सेवा प्राधिकरणए करनाल ने बताया कि करनाल में आगामी 9 सितंबर 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में दुर्घटना के दावों, चेक बाउंसए बैंक वसूली, जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित दीवानी विवाद और यहां तक कि घरेलू हिंसा अधिनियम आदि से संबंधित मामलों सहित कंपाउंडेबल अपराधों के आपराधिक मामले अधिक से अधिक प्रकरणों के निस्तारण हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल श्री चंद्रशेखर की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में मंडल प्रबंधक राष्ट्रीय बीमा कंपनी श्री समीर धवन, जिला अग्रणी प्रबंधक एसके हंदूजा, एडवोकेटए न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी अशोक वोहरा, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी और अन्य के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर ने प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए कहा कि अधिक से अधिक मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का निराकरण किया जाए तथा इस संबंध में गंभीर प्रयास किए जाएं ताकि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरणों के समक्ष लम्बित प्रकरणों का निराकरण किया जा सके। उन्होंने

बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों और प्रमुख प्रबंधक को मोटर दुर्घटना दावा मामलों के निपटान के लिए मोटर दुर्घटना दावा मामलों से संबंधित 13 मई 2023 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान उनके द्वारा किए गए सराहनीय योगदान के लिए धन्यवाद किया।

उन्होंने सभी न्यायिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे आने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को ज्यादा से ज्यादा केसो का निपटारा करं ताकि न्यायालयों में लंबित मामलों को कम किया जा सके और लोगो को न्याय की लम्बी प्रिक्रिया से छुटकारा मिले। उन्होंने कहा कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों में से एक है। यह एक ऐसा मंच है जहां अदालत में या पूर्व.मुकदमेबाजी के स्तर पर लंबित विवादोंधमामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा/समझौता किया जाता है। लोक अदालतों को कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत वैधानिक दर्जा दिया गया है। उक्त अधिनियम के तहतए लोक अदालतों द्वारा किए गए निर्णय निर्णय को एक सिविल कोर्ट का एक डिक्री माना जाता है और अंतिम और सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है और इस तरह के एक पुरस्कार के खिलाफ कोई अपील किसी भी अदालत में नहीं होती है। यदि लोक अदालत के अधिनिर्णय से पक्षकार संतुष्ट नहीं हैए हालांकि इस प्रकार के अधिनिर्णय के विरुद्ध अपील का कोई प्रावधान नहीं है।

लोक अदालत में मामला दायर करने पर कोई न्यायालय शुल्क देय नहीं है। यदि न्यायालय में लंबित कोई मामला लोक अदालत में भेजा जाता है और बाद में निपटारा हो जाता हैए तो शिकायतोंध्याचिकाओं पर मूल रूप से अदालत में भुगतान किया गया शुल्क भी पक्षकारों को वापस कर दिया जाता है। लोक अदालतों में वादों का निर्णय करने वाले व्यक्तियों को लोक अदालतों का सदस्य कहा जाता हैए उनकी केवल वैधानिक सुलहकर्ताओं की भूमिका होती है और उनकी कोई न्यायिक भूमिका नहीं होती है। इसलिए वे पक्षकारों को केवल लोक अदालत में न्यायालय के बाहर विवाद को निपटाने के लिए किसी निष्कर्ष पर आने के लिए राजी कर सकते हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मामलों या मामलों को समझौता करने या निपटाने के लिए किसी भी पक्ष पर दबाव या दबाव नहीं डालेंगे। लोक अदालत इस प्रकार निर्दिष्ट मामले को अपने उदाहरण पर तय नहीं करेगीए बल्कि पक्षों के बीच समझौते या समझौते के आधार पर तय की जाएगी। सदस्य अपने विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने के प्रयास में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से पार्टियों की सहायता करेंगे।

लोक अदालत में अपने लंबित मामले को संदर्भित करने के लिए अधिक जानकारी और सहायता के लिए वे अपने मामले को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनुमंडलीय कानूनी सेवा समितियों और टोल फ्री नंबर 0184-2266138 पर संपर्क कर सकते हैं।

जिला कारागार करनाल में स्पेशल लोक अदालत का आयोजन

करनाल। मुख्य दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, करनाल सुश्री जसबीर कौर द्वारा जिला कारागार करनाल में स्पेशल जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत में 4 अंडर ट्रायल प्रिजनर्स के केसों का चयन किया गया, जिसमें 3 केसों में 2 अंडरगोन किया।

सीजेएम सुश्री जसबीर कौर ने बताया कि समय-समय पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण करनाल के द्वारा हर माह के पहले और तीसरे बुधवार को जेल में लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कैदियों से आग्रह किया कि अगर किसी के पास उसकी केस की पैरवी करने के लिए वकील नहीं है तो वह सुपरिंटेंडेंट जिला कारागार करनाल के माध्यम से अपना प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण करनाल को भेज सकता है। अथॉरिटी के द्वारा उसको पैनल अधिवक्ताओं में से किसी एक को उसके केस की पैरवी करने के लिए नियुक्त कर दिया

जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, बच्चों, वरिष्ठ नागरिक, अनुसूचित जाति व जनजाति या आम नागरिक जिसकी सभी स्रोतों से आय 3 लाख रुपये से कम है ऐसे व्यक्ति मुफ्त कानूनी सलाह या मुफ्त कानूनी सहायता पाने का हकदार है। इस दौरान सुपरिंटेंडेंट जिला जेल कारागार अमित भादू उपस्थित रहे।

डिप्टी सुपरिंटेंडेंट सुश्री शैलाक्षी भारद्वाज एवं जसवंत सिंह ने सीजेएम को आश्वस्त किया कि हम सप्ताह में एक बार सभी कैदियों से पूछते रहते हैं कि किसी के पास कोई वकील उसके केस की पैरवी करने के लिए ना हो तो जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, करनाल के द्वारा उसे निशुल्क प्रदान किया जाएगा।

मांगों को लेकर आशा वर्करो ने दिया धरना, सरकार को जमकर कोसा

करनाल। आशा वर्कर 10 दिनों से हड़ताल पर हैं। आशा वर्कर यूनियन से जुड़ी वर्कर गुरुवार को भी सीएमओ कार्यालय में इक्टठा हुई। मांगों को लेकर सरकार को जमकर कोसा। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान कविता ने की और संचालन रोशनी ने किया।

यूनियन जिला सचिव सुदेश, प्रधान कविता और सीटू जिला कैशियर ओपी माटा व सचिव जगपाल राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार आशा वर्करों से तरह-तरह की बेगार करवा रही है। सरकार द्वारा लगातार काम का बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने आशा वर्करों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की थी, लेकिन उसमें मंत्री ने मानदेय में बढ़ोतरी करने या न्यूनतम वेतन देने बारे बातचीत नहीं बनी। मंत्री ने 10 दिन का समय आशा वर्करों के प्रतिनिधि मण्डल से मांगा था, लेकिन लगभग एक साल बीत जाने के बावजूद कोई समाधान स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने नहीं किया । इसी के कारण आशा वर्कर आंदोलन करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि उनसे स्वास्थ्य विभाग व हरियाणा

सरकार से तरह तरह की बेगार करवाई जा रही है, लेकिन इसके बदले कोई भी प्रोत्साहन राशि सरकार की तरफ से नहीं दी जाती। आशा वर्करों ने कोरोना महामारी में अपनी जान जोखिम में डालकर जनहित में फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में कार्य किया है, जिसके लिए एक तरफ तो डब्ल्यूएचओ द्वारा आशा वर्कर को ग्लोबल हेल्थ लीडर्स के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, वहीं दूसरी तरफ हरियाणा सरकार और स्वास्थ्य विभाग मिलकर आशा वर्करों का मानसिक और आर्थिक शोषण कर रहे हैं। इस अवसर पर ओपी माटा, नीरू, जगपाल राणा, कविता, सुरेशो, ममता, पूनम, स्वदेश, निशा, गीता, कमलेश, मीना, मंजू, सीमा, कृष्णा व धीरज सिंह रावत ने वर्करों को संबोधित किया।

डीसी अनीश यादव ने किया स्मार्ट सिटी प्रोजेक्टस का औचक निरीक्षण

करनाल- डीसी अनीश यादव ने गुरुवार को स्मार्ट सिटी के अंतर्गत चल रहे विभिन्न प्रोजेक्टस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी प्रोजेक्ट में गुणवत्तापरक कार्य के साथ-साथ काम में तेजी लाई जाए। डीसी ने हॉकी स्टेडियम, स्वीमिंग पूल, ओल्ड ऐज होम, उत्तम नगर पार्क, स्पोर्टस हॉस्टल, मल्टी पर्पज स्पोर्ट्स हॉल, स्पोर्ट्स स्टेज बिल्डिंग, महिला आश्रम और नारी निकेतन का दौरा किया। डीसी अनीश यादव ने सर्वप्रथम हॉकी स्टेडियम का दौरा किया। यहां उन्होंने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने स्वीमिंग पूल का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने स्वीमिंग पूल के निर्माण कार्य को लेकर कुछ सुझाव दिए। इसके बाद ओल्ड ऐज होम की बिल्डिंग के लिए किए जा रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। डीसी अनीश यादव ने स्थानीय उत्तम नगर में करीब 6 एकड़ में बनाए जा रहे पार्क के विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। यहां पार्क में ही सिंगल स्टोरी बिल्डिंग के कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदार को सख्त हिदायत दी कि उत्तम नगर में निर्माणाधीन पार्क के कार्यों में प्रयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया

जाए, कहीं पर भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कर्ण स्टेडियम में स्पोर्ट्स हॉस्टल, मल्टी पर्पज हॉल और स्टेज बिल्डिंग के काम में तेजी लाने के निर्देश

डीसी अनीश यादव ने मिक्सड यूज डेवलेपमेंट प्रोजैक्ट, कर्ण स्टेडियम तथा सेक्टर 32 में निर्माणाधीन इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलैक्स में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नक्शे की ड्राइंग के मुताबिक प्रोजेक्ट में इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री को जांचा। उन्होंने अधिकारियों को प्रोजैक्ट को तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए। गौरततलब है कि मिक्सड यूज डेव्लेपमेंट प्रोजैक्ट शहर की प्रमुख शक्ति कॉलोनी में बन रहा है। डीसी अनीश यादव ने इसके बाद कर्ण स्टेडियम में निर्माणाधीन अलग-अलग प्रोजैक्ट का भी निरीक्षण किया। यहां भी उन्होंने निर्माण सामग्री के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दें कि कर्ण स्टेडियम में विभिन्न प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य जारी है। इनमें पहले फेज में घोषित होस्टल, मल्टीपर्पज हॉल, स्टेज बिल्डिंग, एडमिन ब्लॉक, वहीं दूसरे फेस में घोषित जिमनास्टिक हॉल का निर्माण कार्य शामिल है। डीसी अनीश यादव ने सैक्टर 32 स्थित इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलैक्स के तहत निर्माणाधीन स्वीमिंग पूल और बैडमिंटन व स्कवैश कोर्ट के कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया तथा सभी कार्यों को स्पीड अप करने के निर्देश दिए। इस मौके पर स्मार्ट सिटी परियोजना के जीएम रामफल, जीएम प्लानिंग पूर्णिमा, एसडीओ एसके कंसल, केजी गोयल मौजूद रहे।

रेवाड़ी में विवाहिता घर से फरार, 9.30 लाख कैश और साढ़े 3 लाख की ज्वैलरी साथ ले गई

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी शहर में एक विवाहिता 9.30 रुपए कैश और साढ़े 3 लाख रुपए की ज्वैलरी लेकर फरार हो गई। युवती फरीदाबाद जिले की रहने वाली है। सिटी पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर विवाहिता के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

फरवरी में हुई थी शादी

रेवाड़ी शहर के शांति नगर स्थित नसिया जी रोड निवासी गजराज ने सिटी पुलिस को दर्ज कराई शिकायत में बताया कि उसकी शादी 26 फरवरी 2023 को शीतल उर्फ दिव्या के साथ हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हुई है। शादी के बाद से सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था।

2 दिन पहले घर से गायब हुई

गजराज के अनुसार, 16 अगस्त को उसकी बहन किसी काम से बाहर गई हुई थी और वह अपनी दुकान पर गया हुआ था। घर में उसकी पत्नी और मां दोनों थी। उसकी मां दोनों आंखों से ब्लाइंड है। उसकी पत्नी पीछे से बगैर किसी को बताए हुए घर से फरार हो गई। वह घर पहुंचा तो पत्नी के बारे में अपनी मां से पूछा, लेकिन उसे भी पत्नी कुछ नहीं कह कर गई।

9.30 लाख कैश और ज्वैलरी ले जाने का आरोप

गजराज ने बताया कि उसके घर में करीब 9,30,000 रुपए कैश के अलावा ज्वैलरी जो कुछ पत्नी ने पहनी हुई थी और कुछ घर में रखी हुई थी, जिसकी कीमत करीब साढ़े 3 लाख रुपए है। ये सारा कैश और जेवरात लेकर उसकी पत्नी चली गई। गजराज ने अपने स्तर पर पत्नी की तलाश भी की, लेकिन पता नहीं चल पाया। इसके बाद उसने सिटी पुलिस को शिकायत देकर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने युवती के खिलाफ धारा 406 के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला जेल करनाल से प्रतिबंधित मादक पदार्थ सहित एक आरोपी गिरफ्तार

करनाल। जिला पुलिस करनाल ने जिला जेल से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 67 ग्राम सुल्फा और 21 ग्राम नशीली दवाइयों का पाउडर बरामद किया गया। 16 अगस्त को जिला जेल करनाल पर वेस्ट रोटी उठाने वाला ड्राइवर जाता है । वह गाड़ी में प्रतिबंधित मादक पदार्थों को छुपाकर अपने साथ लाता है। जब आरोपी अपनी गाड़ी को लेकर वेस्ट रोटी उठाने के लिए गेट पर आया तो विश्वसनीय सूचना के आधार पर क्यूआरटी टीम में तैनात वॉर्डर द्वारा गाड़ी की गहनता से तलाशी की गई। तलाशी के दौरान गाड़ी से कुछ पैकेट बरामद किए गए जिसको खोलने पर उसमें नशीली गोलियों का पाउडर और सुल्फा मिला। इस संबंध में उप अधीक्षक जिला जेल करनाल साक्षी भारद्वाज द्वारा सूचना थाना रामनगर में दी गई। एएसआई मोहनलाल थाना रामनगर की अध्यक्षता में टीम द्वारा आरोपी अर्जुन पुत्र हरिचंद निवासी मकान नंबर 74 मॉडल टाउन अंबाला* को गिरफ्तार किया गया। और आरोपी के खिलाफ थाना रामनगर में

एनडीपीएस एक्ट की धारा 20,22,25 में मुकदमा दर्ज किया गया। आगामी तफ्तीश में पाया गया कि आरोपी प्रतिदिन जेल से वेस्ट रोटी को उठाने के लिए आता था। तभी एक दिन आरोपी की मुलाकात जेल के अंदर एक अनजान कैदी से होती है। जो आरोपी को बाहर के किसी अनजान व्यक्ति से नशीला पदार्थ जेल के अंदर लाने के लिए कहता है । उसके कहने पर आरोपी उस अनजान व्यक्ति से नशीला पदार्थ लेकर आया और जेल के गेट पर चैकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया । आज आरोपी को पेश न्यायालय करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जिस व्यक्ति से आरोपी अर्जुन सुल्फा और नशीली दवाइयों का पाउडर लेकर आया था और जिसको देनी थी उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी है

पहली से तीसरी कक्षा के बच्चों को हिन्दी और गणित की दक्षताएं हासिल करवाएंः राजपाल चौधरी

करनाल । एफएलएन के अन्तर्गत जिला परियोजना क्रियान्वयन यूनिट की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी राजपाल चौधरी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सदानंद वत्स ने की और संचालन एफएलएन के जिला संयोजक विपिन कुमार ने किया। बैठक में डीपीसी वंदन परुथी, उप जिला शिक्षा अधिकारी अनीता डागर, सुदेश ठुकराल, एपीसी सचिन मदान, सभी खंडों के बीईओ डॉ. राममूर्ति शर्मा, सतपाल बज्गा, अंजू सरदाना, रविन्द्र राणा, सीमा, बीआरसी धर्मपाल, जोगिन्द्र, बलजीत सिंह, उर्वशी, डाइट प्रवक्ता नरेन्द्र कुमार व करनैल सिंह, खंड एफएलएन संयोजक धर्मेन्द्र, रीतू, प्रवीन, सुनील, अनूप, गीता, सुमन, एलएलएफ टीम से इमराल व मार्गेट और संपर्क फाउंडेशन से पूजा व विवेक उपस्थित रहे। जिला स्तरीय एंड लाईन एसेसमेंट व पहचान परियोजना के बारे में बिंदुवार चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी राजपाल चौधरी ने कहा कि कक्षा एक से तीन तक के बच्चों को हिन्दी व गणित की दक्षताएं हासिल करवाना सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। बुनियादी दक्षताएं हासिल करने के बाद बच्चों का शिक्षा का

सफर सहज हो जाता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए खंड स्तर पर योजना बनाकर उसे लागू करने की रणनीति बनानी चाहिए। अधिकारियों ने पहचान प्रोजेक्ट में खंड स्तर पर प्रथम आने वाले क्लस्टर को प्रमाण पत्र देकर, स्टार टीचर, स्टार मेंटर एवं संकुल मुखिया को सम्मानित किया। एंड लाइन असेसमेंट का परिणाम अपेक्षा अनुरूप न रहने पर सभी खंडों को आगामी मीटिंग तक योजना बनाकर खंड स्तर पर काम करने के लिए अधिकारियों ने प्रेरित किया।

बन जाइए महफिल की जान

सही मेकअप तथा सही ड्रेस का चुनाव एक बहुत रचनात्मक प्रक्रिया है। केवल नई ड्रेस पहन लेने, महँगी साड़ी ओढ़ लेने या भारी मेकअप कर लेने भर से आप पार्टी या उत्सव की शान नहीं बन सकतीं। इसके लिए आपको स्वयं को सही तरीके से प्रस्तुत करना तथा मेकअप और कपड़ों में बैलेंस करना आना चाहिए। तभी आप पूरी महफिल में छा सकती हैं। अपनाइए कुछ टिप्स।

■ **ड्रेस अरेंजमेंट**- सबसे पहले अपने वॉर्डरोब का जायजा लीजिए। यह कतई जरूरी नहीं कि हर पार्टी में आप नए कपड़े ही पहनें। इसके बजाय जरूरी यह है कि आपके कपड़े व्यवस्थित तथा प्रस्तुति योग्य होने चाहिए। इसलिए पार्टी के कुछ दिन पहले से ही क्या पहनना है यह तय कर लें तथा उस ड्रेस को तैयार कर लें। मसलन यदि उसमें रिपेयरिंग से लेकर प्रेस तक की जो भी जरूरत हो उसे पूरा कर लें। जब आपकी ड्रेस तैयार होकर सामने टँगी रहेगी तो आप भी निश्चिंत होकर बाकी के काम कर पाएँगी। वरना ऐन वक्त पर आपको परेशान होना पड़ेगा या फिर बिना धुली, बिना प्रेस की हुई ड्रेस पहननी पड़ेगी। यही नहीं, यदि उस ड्रेस में कहीं कोई सिलाई या तुरपन की आवश्यकता हुई तो आपको उसे पहनने का इरादा ही छोड़ना पड़ेगा। इसलिए सर्वप्रथम पहने जाने वाले कपड़ों का निर्धारण कर लें।

■ **मैचिंग का फंडा**- यदि आपको ड्रेस की मैचिंग के जूते, पर्स, गहने तथा स्टोल आदि पहनने हैं तो उन्हें भी तैयार रखिए। अगर ये आपके पास न हों तो कम से कम 4 दिन पूर्व बाजार से लाकर रख लें, वरना वक्त पड़ने पर हो सकता है आपको मनचाही चीज न मिले या फिर दुकान ही बंद मिले। मैचिंग को अपनाते वक्त खुद पर उसका ट्रायल भी लें। हो सकता है कोई चीज आपने अपनी मित्र को पहने देखी हो और आप भी वही प्रयोग स्वयं पर करना चाहती हैं, लेकिन वह रंग आप पर सूट ही न हो। अत: केवल देखा-देखी किसी भी तरह की मैचिंग न करें। मौसम के लिहाज से भी आप कपड़े और एसेसरीज का चुनाव कर सकती हैं।

■ **प्रस्तुतीकरण**- अपनी रोल मॉडल खुद बनें। किसी व्यक्ति की सलाह, मार्गदर्शन या फिर राय लेना कतई गलत नहीं, लेकिन किसी को बिना सोचे-समझे फॉलो करने से बचें खासतौर पर मॉडल तथा अभिनेत्रियों को। हमेशा यह बात याद रखिए कि जो चीज स्क्रीन पर सुंदर दिखाई दे रही है वह आप पर भी फबे यह कतई जरूरी नहीं। कोई भी ड्रेस, मेकअप या गहना आप पर तभी सूट करेगा, जब वह आपके व्यक्तित्व तथा समय के अनुकूल हो। बिना सोचे-समझे यदि आपने किसी की नकल की तो आप हँसी की पात्र बनकर रह जाएँगी। आपका प्रस्तुतीकरण आपके अनुकूल तथा गरिआममयी होना चाहिए।

कुछ साधारण मेकअप टिप्स-

■ गर्मियों में कॉटन, बारिश में सिंथेटिक तथा सर्दियों में सिल्क का फंडा हमेशा याद रखें।

■ दिन के समय मेकअप हल्का करें तथा खासतौर पर गर्मियों व बारिश में वॉटरप्रूफ मेकअप ही करें।

■ लिपस्टिक, नेल पेंट तथा आई शैडो मेकअप के खास अंग होते हैं। इनका उपयोग समय, आयोजन तथा उम्र के हिसाब से ही करें।

■ सामान्य पार्टी में भड़कीला मेकअप तथा भड़कीले वस्त्र एवं शादी के समारोह में फीकी रंगत के कपड़े और मेकअप आपको हँसी का पात्र बनाकर रख देगा, इससे बचें।

■ परफ्यूम या डियो जो भी प्रयोग में लाएँ वह ज्यादा लंबे समय तक खुशबू देने वाले तथा हल्की सुगंध वाले हों, यह ध्यान रखें।

■ पर्स, एसेसरीज तथा फुटवेयर का चयन अपने व्यक्तित्व तथा आराम के हिसाब से करें। ऐसा न हो कि फैशन के चक्कर में आप कोई भी ऐसी चीज खरीद लाएँ, जो बाद में आपके लिए नुकसानदायक हो।

■ फाउंडेशन, पैन केक या ऐसे ही किसी भी बेस का उपयोग अपनी त्वचा के हिसाब से करें और पहले किसी विशेषज्ञ से इसके बारे में जान लें।

■ लिप ग्लास तथा लिप लाइनर का उपयोग आपके ओंठों को और ज्यादा खूबसूरती दे सकता है बस, इसका प्रयोग लिपस्टिक के शेड तथा त्वचा की रंगत के अनुसार करें।

इन कुछ टिप्स को उपयोग में लाएँ और बन जाएँ पार्टी की शान।

कुछ टिप्स काम के

- आधे कटे नीबू पर थोड़ी-थोड़ी सी शक्कर बुरककर इससे कोहनी, गर्दन तथा हाथों को हल्के-हल्के रगड़ें। इससे न केवल जमा हुआ मैल निकल जाएगा बल्कि त्वचा बेहद मुलायम हो जाएगी। साथ ही 'सन टैनिंग' से भी छुटकारा मिलेगा।
- कच्चे आलू को छीलकर उसे किस लें या कूट लें और इसे काली पड़ रही त्वचा पर लगाएँ। त्वचा मुलायम होगी तथा साफ भी हो जाएगी।
- मलाई तथा गुलाब जल को मिलाकर हल्के हाथों से मसाज करते हुए त्वचा पर लगाएँ। ये त्वचा को चमकदार तथा नम बनाने में मदद करेगा।
- दूध और शहद मिलाकर धीरे-धीरे गर्दन, हाथ व पैरों की मालिश करें। इससे स्किन सॉफ्ट बनेगी।
- पपीते के गूदे को मसलकर आप फेस पैक बना सकती हैं साथ ही इसे त्वचा पर मलने से जमा हुए मैल से भी छुटकारा पा सकती हैं।

पनीर भुर्जी

सामग्री : तेल 2 टेबल स्पून बारीक कटा प्याज पाव कप हल्दी पावडर पाव टी स्पून लालमिर्च पावडर 2 टी स्पून धनिया व जीरा पावडर 2 टी स्पून नमक-शकर स्वादानुसार गरम मसाला पाव टी स्पून पनीर मसलकर एक कप क्रीम या मलाई 2 टेबल स्पून मक्खन एक टेबल स्पून हरा धनिया बारीक कटा एक टेबल स्पून पीसने के लिए एक प्याज एक टमाटर एक हरीमिर्च 1 टी स्पून कसा हुआ अदरक।

विधि : पीसने का मसाला मिलाकर महीन पीस लें। तेल गरम करके उसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनिए। फिर उसमें पिसा हुआ मसाला डालकर भून लीजिए। मसाला तेल छोड़ने लगे तब उसमें हल्दी, लालमिर्च, गरम मसाला, धनिया, जीरा पावडर, नमक और शकर मिलाकर थोड़ा और भूनिए।

अब मसाले में मसला हुआ पनीर, क्रीम या मलाई और मक्खन डालकर और थोड़ा भूनें। फिर ऊपर से हरा धनिया डालकर परोसें।

ब्यूटी पार्लर जाना कोई फिजूलखर्ची नहीं है। हाँ,-पार्लर का चयन सोच-समझकर करना चाहिए और वहाँ-जाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

क्या आप पार्लर जा रही हैं?

सौंदर्य की कोई निश्चित परिभाषा नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति का सुंदरता आँकने का दृष्टिकोण भिन्ना है, कोई आँखों में, कोई तीखी नाक में, कोई गौर वर्ण के माध्यम से इसे वर्णित करता है। थोड़े शब्दों में कहें जो आँखों को भला और प्यारा लगे, वह सौंदर्य है। प्राचीनकाल से सुंदरता के लिए कई तरह के उबटन, सुगंधी तेल, जड़ी-बूटियों का उपयोग होता रहा है। वर्तमान में उन्हीं सब वस्तुओं का परिष्कृत रूप ब्यूटी पार्लर में इस्तेमाल होता है, किंतु आज भी पार्लर को लेकर लोगों के मन में कई भ्रांतियाँ हैं।

एक भ्रांति यह है कि ब्यूटी पार्लर फिजूलखर्ची है, पैसे वालों का शौक व समय की बर्बादी है। वास्तविकता यह है कि सधे हुए हाथों के साथ नारी सौंदर्य की साज-संभाल नियमित रूप से होने पर यह निखरता है, सँवरता है। यह हकीकत है कि एक निश्चित उम्र के बाद चेहरे की त्वचा शिथिल पड़ने लगती है। बाल बेजान और रुखे होने लगते हैं। चेहरे पर झुर्रियाँ या झाइयाँ व आँखों के नीचे काले घेरे आ जाते हैं। ब्यूटी पार्लर में नियमित फेस मसाज, फेशियल, क्लीनअप ब्लीच, हिना आदि प्रक्रियाओं से गुजरने पर चेहरे की कांति, त्वचा की चमक एवं बालों की रौनक लौट आती है। खासकर कामकाजी महिलाएँ अक्सर स्वयं पर अधिक ध्यान नहीं दे पाती हैं, लेकिन ब्यूटी पार्लर में कुछ समय उनके लिए वरदान साबित होता है। वे अगले कई दिनों के लिए तरोताजा हो जाती हैं। उनमें एक आत्मविश्वास जागता है।

हाँ, यह जरूरी है कि हम ब्यूटी पार्लर में जाने से पूर्व कुछ बातें जान लें। जैसे यह कि हमारी त्वचा कैसी है? बालों का स्टाइल हम पर कैसा फबेगा? ब्यूटीशियन प्रशिक्षित एवं एक्सपर्ट है या नहीं? हम वहाँ किफायती दाम दे रहे हैं या हमारी जेब से ज्यादा पैसा जा रहा है? इन सब बातों को जानने के बाद ब्यूटी पार्लर की ओर रुख करें।

यकीन मानिए अच्छे पार्लर आपके सौंदर्य के सजग प्रहरी हैं। आज यह पार्लर का ही कमाल है कि शॉपिंग मॉल में, बसों में सफर करते या ऑफिस में काम कर रही स्त्रियाँ तमाम आपाधापी के बीच खूबसूरत नजर आती हैं। आजकल साधारण नैन-नक्श वाला चेहरा सजकर-निखरकर स्मार्ट लुक देने लगता है। कई ट्रीटमेंट हर्बल भी होते हैं, जिनसे कोई नुकसान नहीं होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची)

शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2919

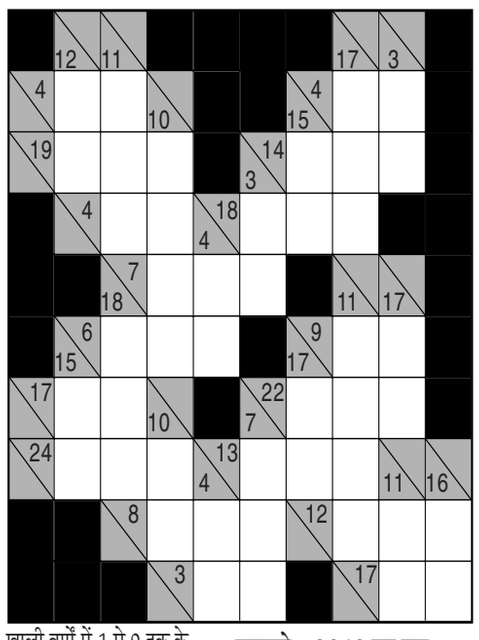

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

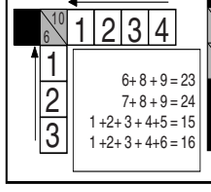

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 2918 का हल

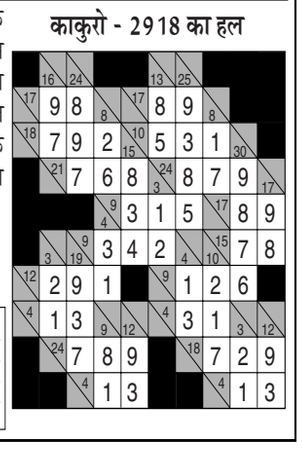

हंसी के फव्वारें

ज्यादातर फिल्में शादी होने का दृश्य दिखाकर ही क्यों खत्म हो जाती हैं?

ताकि शादी के बाद के दुखद दृश्य न देखने पड़ें.

नर्स, मैं तुमसे बेहद प्यार करता हूँ, मैं अब अच्छा नहीं होना चाहता.

नर्स बोली-तुम अब अच्छे हो भी नहीं सकते क्योंकि डॉक्टर भी मुझसे प्रेम करता है और उसने मुझे तुमसे प्यार करते हुए देख लिया है.

□ □ □

अविवाहिता-क्या तुम अपनी किसी सबसे बड़ी बेवकूफी का प्रमाण दे सकते हो?

अविवाहित-तुमने प्यार कर लिया, यह क्या छोटा प्रमाण है?

□ □ □

सुनीता-पता नहीं इस बार साड़ियों के कौन-कौन से नये डिजाइन निकलेंगे?

मोहन-वही दो! एक जो तुम्हें पसन्द नहीं आयेगा. दूसरा वह जिसे खरीदने के लिए मेरे पास रुपये नहीं होंगे.

□ □ □

एक पति ने अपनी घरवाली से पूछा-युधिष्ठिर भी जुआ खेले थे, फिर तू मुझे क्यों रोकती है?

घरवाली ने कहा -नहीं रोकूंगी, लेकिन याद रखना कि द्रौपदी के भी पांच पति थे.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2919

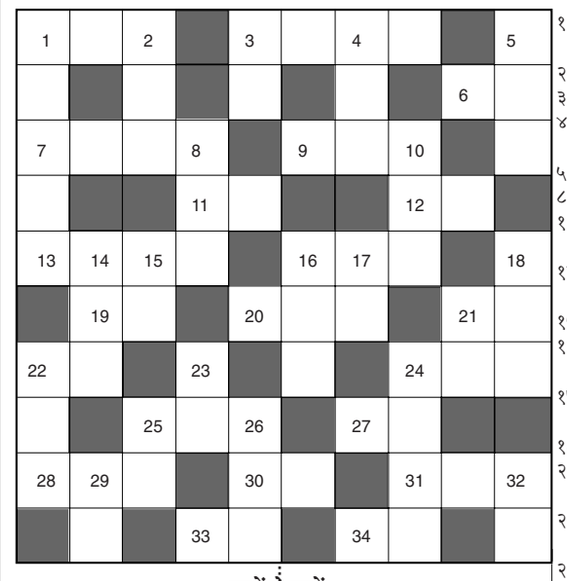

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टार रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचेः-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2918

उ	म	रा	व	जा	न	■	आ	गा	ज
मं	■	हु	■	न	■	र	ति	■	मा
ग	ज	ल	■	शी	बा	■	श	बा	ना
■	मी	■	अ	न	जा	ना	■	रू	■
स	र	ग	म	■	र	■	स	द	मा
हे	■	द	ला	ल	■	सु	र	■	ई
ली	ड	र	■	ज्ञा	■	ख	■	खे	ल
■	कै	■	का	■	सो	■	आ	■	व
रा	त	औ	र	दि	न	■	रो	■	■
खी	■	■	वॉ	■	म	न	प	सं	द

सूडोकु -2919

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2918 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 2919

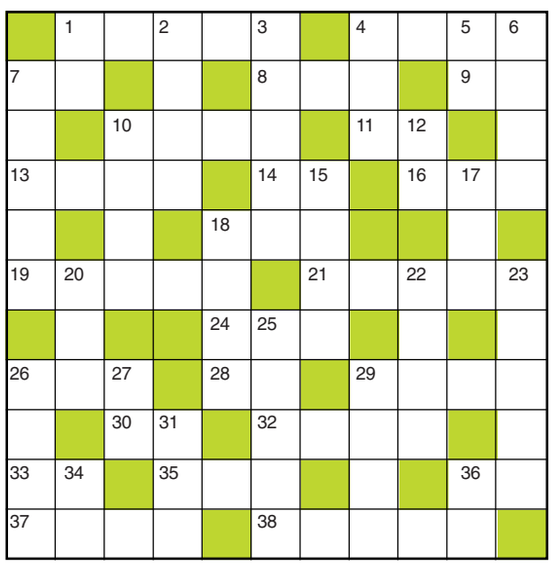

बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -2918 का हल

स	द	च	रि	त्र	■	■	ब	ह	य	■
मा	मा	■	या	■	अ	द	द	■	ह	क
ज	■	■	स	ज	दा	■	न	■	■	हा
वा	र	दा	त	■	■	श	■	प	नी	र
दी	■	मि	■	ह	म	रा	ज	■	र	■
■	रा	नी	■	रा	■	फ	■	बी	ज	■
■	ह	■	श	र	ब	त	■	ह	■	म
क	त	रा	■	त	■	■	अ	ड़	च	न
हा	■	■	चिं	■	म	लि	न	■	■	भा
नी	र	■	त	न	य	■	ब	■	श	व
■	थ	का	न	■	■	म	न	मो	ह	न

बॉक्स ऑफिस पर लगातार धूम मचा रही गदर

सनी देओल अभिनीत और अनिल शर्मा निर्देशित गदर-2 को लेकर यह तो तय नजर आ रहा था कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी लेकिन यह अनिल शर्मा और सनी देओल के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन जाएगी इसकी उम्मीद कुछ कम थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार धूम मचा रही है। एक अरसे बाद सिनेमाघरों के बाहर हाउसफुल के बोर्ड नजर आ रहे हैं। दर्शक इस फिल्म को जबरदस्त एंजॉय कर रहे हैं। बीते 11 अगस्त को प्रदर्शित हुई गदर-2 स्वतंत्रता दिवस सप्ताह में बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। कल 15 अगस्त के दिन गदर-2 ने बॉक्स आफिस पर 60 करोड़ का कारोबार करते हुए पांचवें दिन के कारोबार का एक नया बैंच मार्क स्थापित किया है।

थिएटर्स में सनी देओल (तारा सिंह) के संवाद और एक्शन सीन लोगों को सीटियां बजाने पर मजबूर कर रहे हैं।गदर-2 की सफलता ने देश के उन सिनेमाघरों में फिर से रौनक लौटाने में सफलता प्राप्त की है जिन्हें सिंगल स्क्रीन के तौर पर जाना जाता है। इन मास एंटरटेनर फिल्मों ने छोटे शहरों के दर्शकों को सिंगल स्क्रीन थिएटर तक खींचकर लाने का काम किया है।

गदर 2 सिंगल स्क्रीन समेत एग्जीबिशन सेक्टर को ऑक्सीजन देने वाली फिल्म साबित हुई है। यह एक मास बेस्ड फिल्म है, जो एक अरसे बाद बनी है, वहीं पिछले कुछ सालों से कंटेंट ड्रिवेन सिनेमा बना रहा है। मास फिल्में ही ऑडिएंस को घर से निकाल सिनेमाघर लाती हैं। वो आ नहीं रही थीं तो ऑडिएंस भी सिनेमाघरों में नहीं आ रहीं थी। ऐसे में जब केजीएफ, केजीएफ-2, पुष्पा और पठान जैसी फिल्में आईं तो फिर से ऑडियंस ने सिनेमाघरों का रुख किया था।

इन एक्शन फिल्मों के अलावा जब तू झूठी मैं मक्कार' और रॉकी रानी की प्रेम कहानी' को मास ऑडिएंस के मद्देनजर बनाया और रिलीज किया गया तो हमें 100 करोड़ क्लब वाली फिल्में मिलीं। बहरहाल हम बात करते हैं फिल्म की 5वें दिन की कमाई की। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को 'गदर 2' ने देशभर में लगभग 60 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। हालांकि अभी तक इसके आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं।

इसके साथ ही फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 234 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। फिल्म ने 11 अगस्त को रिलीज के पहले दिन 40 करोड़, दूसरे दिन 43 करोड़, तीसरे दिन 52 करोड़ तथा चौथे दिन 39 करोड़ का कलेक्शन किया।सनी 66 साल की उम्र में भी वही जोश-खरोश दिखाने में सफल रहे जो उन्हें 22 साल पहले 'गदर' में दिखाया था। अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, मनीष वाधवा सहित अन्य कलाकार भी अपने किरदार के साथ न्याय करने में कामयाब हुए।

वरुण धवन के साथ एटली की फिल्म में नजर आयेंगी वामिका

बालीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी फिल्म निर्माता एटली की अपकमिंग हिंदी प्रोडक्शन में नजर आएंगी, जिसमें वरुण धवन भी हैं। वर्तमान में अपकमिंग प्रोजेक्ट का टाइटल तय नहीं हो पाया है। फिलहाल, इसे हैशटैग वीडी18 के नाम से जाना जाता है और यह 31 मई, 2024 को रिलीज होने वाली है।

एक्ट्रेस ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर रोमांचित और आभारी हूं। वरुण और कीर्ति सुरेश के साथ काम करने का अवसर निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। मैं फुल कर्मिशियल हिंदी प्रोजेक्ट की तलाश में थी और यह बस इतना ही है। मैं मुराद सर और एटली के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। ग्रहण, माई और हाल ही में रिलीज हुई जुबली में शानदार परफॉर्मेंस के साथ इंडस्ट्री में अपनी योग्यता साबित करने के बाद, वामिका इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म की के लिए फेमस टैलेंटेड स्क्रीनराइटर कलीज द्वारा लिखित, यह फिल्म एक रोमांचक सिनेमाई एक्सपीरियंस देने का वादा करती है। शानदार कलाकारों और सम्मोहक कहानी के ऐसे पावर-पैक कॉम्बिनेशन के साथ, हैशटैग वीडी18 साल 2024 की सबसे सफल फिल्मों में से एक होने की उम्मीद है। इसके अलावा, वामिका वर्तमान में बुडापेस्ट की अगली फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, और वह विशाल भारद्वाज की पहली ओटीटी सीरीज चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली और नेटफ्लिक्स के साथ विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म खुफिया में तब्बू सह-कलाकार हैं, का इंतजार है। उन्होंने हिंदी फिल्म जब वी मेट में एक छोटी सी भूमिका के साथ स्क्रीन पर अपनी शुरुआत की। लेकिन उन्हें बड़ी सफलता यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल के साथ फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 (2013) से मिली। फिर उन्होंने इश्क ब्रांडी (2014), निक्का जैलदार 2 (2017), परहुना (2018), दिल दियां गल्लां (2019) और निक्का जैलदार 3 (2019) जैसी कई पंजाबी फिल्मों में अभिनय किया।वामिका ने पंजाबी, हिंदी, तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में काम किया है।

आखिरकार अर्जुन कपूर ने दे ही दिया मलायका अरोड़ा से ब्रेकअप होने का हिंट !

अर्जुन कपूर और मलायका अरोड़ा काफी लंबे समय से रिलेशनशिप में है लेकिन अभी तक दोनों ने शादी नहीं की। शादी के बारे में कई बार दोनों से सवाल किया गया लेकिन अर्जुन ने अपने निजी जीवन के बारे में सवाल पूछने से इंकार कर दिया और मलाइका ने प्यार का डीप अर्थ शादी नहीं होता है, ये समझा दिया। 2017 में मलाइका अरोड़ा का अरबाज खान से तलाक हो गया था। दोनों के तलाक के कई कारण थे लेकिन एक कारण मलाइका और अर्जुन कपूर की नजदीकियां भी था। दोनों ने अपने प्यार का इजहार भले ही 2019 में इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करके किया हो लेकिन 19 साल की मलाइका की शादी के टूटने के पीछे ये रिश्ता भी कारण था। अब लग रहा है कि 6 साल के इस रिश्ते को भी किसी की नजर लग गयी है। सोशल मीडिया पर अर्जुन कपूर की ताजा तस्वीरों ने इस अफवाह को बल दे दिया है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है।

अभिनेता द्वारा अपनी एकल छुट्टियों की तस्वीरें साझा करने के बाद अर्जुन कपूर और मलायका अरोड़ा के अलगाव की खबरें एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही हैं, और ऐसी जोरदार चर्चा है कि अर्जुन कपूर ने अपनी प्रेमिका से नाता तोड़ लिया है। ऐसे कई लोग हैं जो सोच रहे हैं कि क्या अर्जुन और मलायका ने अपने रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया है। इन अफवाहों के जोर पकड़ने के बाद सोशल मीडिया का एक दूसरा वर्ग बोला कि जरुरी नहीं है कि सोलो तस्वीर शेयर करने का मतलब ब्रेकअप हो जाना नहीं होता है क्योंकि अभिनेता एक स्वतंत्र जीवन भी जीते हैं और उन्हें अकेले यात्रा करने की भी आजादी है।अर्जुन और मलायका के ब्रेकअप की अफवाहें इंटरनेट पर जंगल की आग की तरह फैल रही हैं, एक अंदरूनी सूत्र ने बॉलीवुडलाइफ को विशेष रूप से बताया, 卐अर्जुन और मलायका इन लगातार अफवाहों पर खूब हंस रहे हैं, और वह नहीं जानते कि इस पर कैसे प्रतिक्रिया दें।卐 अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि लोग बहुत जल्दी निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं और अपना फैसला सुना देते हैं, और इसलिए उन दोनों ने अपने रिश्ते के आसपास अनावश्यक बकबक पर ध्यान नहीं देने का फैसला किया है।'

अर्जुन कपूर को अक्सर सोशल मीडिया पर मलायका अरोड़ा के साथ स्नेह भरी तस्वीरें पोस्ट करते हुए देखा जाता है। हालाँकि, उन्होंने हाल ही में अकेले छुट्टियों पर जाकर हलचल मचा दी। Reddit पर पोस्ट करते हुए, एक उपयोगकर्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अभिनेता अकेले ही सप्ताहांत पर एकांतवास पर निकले हैं। उसी समय, मलायका मुंबई में अपनी फिल्मांकन प्रतिबद्धताओं में व्यस्त थीं। कैरोसेल की शुरुआती स्लाइड में अर्जुन कपूर अपने हाथों में एक कटोरा पकड़े हुए लैपटॉप को देखने में तल्लीन हैं। तस्वीरों में से एक में अर्जुन को स्विमिंग पूल में आनंद लेते हुए कैद किया गया है। अंतिम स्लाइड में जिम जैसे इनडोर सेटअप में वर्कआउट के दौरान पसीना बहाते हुए अर्जुन के समर्पण को दर्शाया गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर आखिरी बार फिल्म कुत्ते में नजर आए थे। वह भूमि पेडनेकर के साथ द लेडी किलर में नजर आएंगे। वह भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह के साथ एक अन्य अनाम परियोजना में भी दिखाई देंगे।

फिल्म ड्रीम में पहली बार एक साथ नजर आयेंगे आयुष्मान और अनन्या

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 25 अगस्त को रिलीज होने वाली है। लोग इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आयुष्मान खुराना ने अपनी फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए लोगों का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आयुष्मान खुराना के पूजा वाले अवतार में नजर आ रहे हैं। बताते चलें कि फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में पहली बार आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे काम करने जा रहे हैं।फिल्म के ट्रेलर से आयुष्मान खुराना ने नया पोस्टर शेयर किया जो लोगों को ध्यान खींच रहा है। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आप देख सकते हैं कि आयुष्मान खुराना पूजा के अवतार में कार के बोनट पर खड़े नजर आ रहे हैं और फिल्म की बाकी स्टारकास्ट उन्हें नीचे से निहार रही है। आयुष्मान खुराना ने फिल्म के नए पोस्टर के साथ लिखा है, ट्रैफिक जाम होने वाला है, क्योंकि पूजा आने वाली है।

ड्रीम गर्ल 2 ड्रीम गर्ल 2 सिनेमाघरों में 25 अगस्त को रिलीज होगी। आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने लोगों को जमकर एंटरटेन किया था। फिल्म ड्रीम गर्ल का डायरेक्शन राज शांडिल्य ने किया था और इस फिल्म का निर्देशन भी राज शांडिल्य ने किया है। अब फिल्म ड्रीम गर्ल 2 सिनेमाघरों में 25 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

24 नवंबर को होगी रिलीज होगी डेविल- द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट

दक्षिण के लोकप्रिय अभिनेता नंदामुरी कल्याण राम ने अपनी आगामी फिल्म डेविल- द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। अथानोक्कडे, हरे राम 118 और बिम्बिसार जैसी अन्य फिल्मों से पहचान बनाने वाले इस अभिनेता की यह फिल?म 24 नवंबर को रिलीज होगी।

बताया जा रहा है कि नवीन मेडाराम द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत की स्वतंत्रता से पहले की कहानी पर आधारित है। जब 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश राज अंत के करीब था। यह फिल्म उस क्षेत्र पर आधारित है जिसे उस समय मद्रास प्रेसीडेंसी के नाम से जाना जाता था। इस फिल?म में नंदमूरि कल्याण राम एक ब्रिटिश जासूस की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के अधिकांश विवरण पूरी तरह से गुप्त रखे गए हैं, निर्माताओं की ओर से कुछ विवरण सामने आए हैं, जिसमें कहा गया है कि फिल्म अतीत के धागों को वर्तमान से जोड़ेगी। डेविल-द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट को तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम जैसी अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा।

यह फिल्म आने वाले बड़े बजट के तेलुगू एक्शन फीचर की श्रृंखला में एक और इजाफा है, जिसमें प्रभास का सलार पार्ट 1 भी शामिल है।जुलाई में फिल्म का टीजर जारी किया था, जिसमें फिल्म की एक बहुत ही दिलचस्प झलक दिखाई गई थी, लेकिन कहानी के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया था। इससे केवल यह पता चला कि कल्याण राम के चरित्र का कोडनेम डेविल है और वह अनिवार्य रूप से एक सुपर जासूस है, जिसका उपयोग ब्रिटिश राज सरकार केवल सबसे बड़े मामलों के लिए करती है। फिल्म में अभिनेत्री संयुक्ता मेनन मुख्य भूमिका निभाएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011